mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-98 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
11 अप्रैल 2025
शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

विनेश फोगाट ने ...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से तलाक लेंगी मिशेल?

वाशिंगटन (एजेंसी)। क्या पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का वाकई तलाक होने वाला है, क्या उनकी पत्नी मिशेल ओबामा अब उनसे अलग होना चाहती हैं, इस तरह की अफवाहों में अचानक तेजी कैसे आ गई। अमेरिका से लेकर दुनिया के अन्य देशों में बराक मिशेल ओबामा के तलाक की चर्चाओं ने इतना तूल पकड़ लिया कि अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला को खुद सामने आना पड़ा। मिशेल ने ओबामा के साथ अपने तलाक की खबरों पर खुलकर एक साक्षात्कार में चर्चा की। मिशेल ओबामा ने क्या कहा, आइये आपको बताते हैं। मगर इससे पहले जानते हैं कि तलाक की खबरों ने कैसे तूल पकड़ा। बता दें कि पिछले काफी समय से तमाम सार्वजनिक कार्यक्रमों में बराक

के साथ मिशेल को अनुपस्थित देखा जा रहा है। इससे पहले बराक और मिशेल ओबामा हर कार्यक्रम में साथ नजर आते रहे हैं। मगर इस परिवर्तन ने उन दोनों के बीच तलाक की अफवाहों को तूल दे दिया। बराक ओबामा के साथ अपने तलाक की चर्चाओं पर मिशेल को आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी है। उन्होंने इसे सिर्फ अफवाह करार दिया है। इसके साथ ही मिशेल ने अब इस तरह की अफवाहों को बंद करने की सलाह दी है। मिशेल ओबामा ने बराक के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों में अनुपस्थित रहने के बाद अपने तलाक की अफवाहों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोग समझ नहीं पाते कि मैं अपने लिए क्या चुनाव कर रही हूं। विकल्प तलाश करने का मतलब लोग यह मान लेते हैं कि मैं और मेरे पति तलाक ले रहे हैं।

बलूचिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बुरा फंसा पाकिस्तान

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान इन दोनों अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के बीच बहुत बुरा फंस गया है। बलूचिस्तान और अफगानिस्तान से पंगा लेने के चलते पाकिस्तान को आए दिन आतंकी हमलों का सामना करना पड़ा है। ताजा मामले में बलूचिस्तान प्रांत में फिर कुछ हथियारबंद नकाबपोश लोगों ने पुलिस के गश्ती वाहन पर गोलीबारी की, जिसमें तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी, जबकि दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस घटना ने पाकिस्तान को फिर एक झटका दिया है। बताया जा रहा है कि यह घटना बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के सरीआब इलाके में घटी। इस हमले में एक पुलिस निरीक्षक

सहित तीन पुलिसकर्मी मारे गए तथा दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गश्त पर तैनात पुलिसकर्मी एक चाय की दुकान के पास अपनी वैन में बैठे थे, तभी उन पर हमला हुआ। क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी खुदा बख्श ने कहा, '' दो मोटरसाइकिलों पर सवार कुछ हथियारबंद नकाबपोश लोगों ने पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं। '' बलूचिस्तान में आए दिन कोई न कोई हमला हो रहा है। अभी एक दिन पहले ही नोश्की क्षेत्र में बंदूक हमले में सेना के फ्रंटियर कोर के एक सैनिक की मौत हो गई थी। अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षाकर्मियों पर गुरिल्ला शैली के हमले आम बात हो गई है। पाकिस्तान के बलूच विद्रोही समूह अक्सर इस तेल और खनिज समृद्ध प्रांत में सुरक्षाकर्मियों, सरकारी परियोजनाओं और 60 अरब अमेरिकी डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं को निशाना बनाकर हमले करते रहते हैं।

श्रीनगर से फ्लाइट लेकर दिल्ली आए पायलट की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी) एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट की बुधवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर प्लेन उतारने के कुछ देर बाद स्वास्थ्य कारणों से मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक, पायलट ने श्रीनगर से उड़ान भरी थी और दिल्ली पहुंचने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उनकी उम्र 35 से 40 साल के

बीच बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में लैंडिंग के बाद पायलट ने अस्वस्थ महसूस करने की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां उनकी मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना से एयरलाइन समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा, 'हमें अपने एक मूल्यवान सहयोगी को स्वास्थ्य कारणों से खोने का गहरा दुख है। हम उनके परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं और इस नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।' प्रवक्ता ने बयान में निजता का सम्मान करने और अटकलों से बचने की अपील की। घटना की विस्तृत जानकारी अभी उपलब्ध नहीं हो सकी है। एयरलाइन ने कहा कि वे संबंधित अधिकारियों के साथ उचित प्रक्रिया में सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाएं होंगी बेहतर

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई योजनाओं का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली के लोगों के लिए यह दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि मात्र 50 दिनों के कार्यकाल में आयुष्मान कार्ड का वितरण कर दिया गया है। इसके साथ ही, उन्होंने बताया कि अगला कदम प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंश्योरेंस योजना (PM-ABHIM) के तहत समझौता पत्र (MOU) पर हस्ताक्षर है, जिससे दिल्ली के लोगों को और भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब आयुष्मान भारत योजना देशभर में लागू की गई, तो दिल्ली सरकार ने इसे लागू नहीं किया, जिसकी वजह से दिल्ली के लोग इस लाभकारी स्वास्थ्य इंजन से 10 वर्षों तक महरूम रहे।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दिल्ली के अस्पतालों में बेड नहीं हैं, डॉक्टरों की भी कमी है। 24 अस्पताल, जो कोरोना काल के दौरान शुरू किए गए थे, वो आज भी चालू हालात में नहीं हैं, पिछली

सरकार ने काम नहीं किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 1139 नए आरोग्य मंदिर बनाए जाएंगे, जहां लोगों को सभी प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। इसके अलावा, 11 जिलों में इंटीग्रेटेड लैब बनाई जाएंगी, जहां सभी तरह की जांच की सुविधा उपलब्ध होगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार से दिल्ली सरकार को 2400 करोड़ रुपये दिए जाने हैं, जिसका इस्तेमाल दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। 400 नए हेल्थ एंड वेल्थ सेंटर खोले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सरकार केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को दिल्ली की जनता तक पहुंचाएगी, ताकि लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

लापता मां का प्रयागराज में किया पिंडदान, 35 साल बाद आया फोन

राजगढ़ (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर की रहने वाली एक महिला करीब 35 साल पहले शाजापुर के कालापीपल स्थित अपने खोखरा गांव से मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने पर अचानक गायब हो गई थी। महिला को मृत समझकर परिवार के लोगों ने इलाहाबाद के प्रयागराज जाकर पिंडदान भी कर दिया था। इतना ही नहीं, हर साल महिला की तस्वीर पर फूल माला चढ़कर श्राद्ध किया जा रहा था। लेकिन वह महिला अचानक महाराष्ट्र के नागपुर से जिंदा मिली। इसके बाद परिवार में खुशी लौट आई है। राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर के जगात चौक में रहने वाले गोपाल सेन की पत्नी गीता सेन करीब 35 साल पहले अपने मायके शाजापुर जिले के कालापीपल तहसील के खोखरा गांव गई हुई थी। वह वहां से अचानक गायब हो गई। इसके बाद परिवार के लोगों ने गीता बाई की खूब तलाश की लेकिन गीताबाई का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद करीब 5 साल पहले परिवार के लोगों ने मरा समझकर प्रयागराज जाकर गीताबाई का पिंडदान कर दिया। परिवार के लोग हर साल श्राद्ध पक्ष में नवमी के दिन श्राद्ध करने लग गए। लेकिन अचानक महाराष्ट्र के नागपुर के मेंटल हॉस्पिटल से आए फोन के कारण उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। इस फोन पर गीता बाई के जिंदा होने की जानकारी दी गई। इसके बाद नागपुर मेंटल हॉस्पिटल कि समाज सेवा अधीक्षक कुंडा बिडकर और कालापीपल सहित ब्यावरा पुलिस के सहयोग से परिवार नागपुर पहुंचा और गीताबाई को सुरक्षित घर लेकर आए जिसके बाद परिवार में खुशी का माहौल है।

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची महुआ मोइत्रा

16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

अमरोहा (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूरी दे दी है। इस बिल के खिलाफ टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा सुप्रीम कोर्ट चली गई है। महुआ मोइत्रा ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देते हुए एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथ की पीठ ने इस कानून की वैधता को चुनौती देने वाली एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी द्वारा दायर याचिका सहित दस अन्य याचिकाओं को 16 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

वक्फ अधिनियम के खिलाफ कोर्ट पहुंची महुआ मोइत्रा इसी तरह संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क ने भी इस अधिनियम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। बता दें कि महुआ मोइत्रा ने 9 अप्रैल को यह याचिका दायर की है। इसे लेकर उन्होंने कहा कि विवादस्पथ संशोधन न केवल गंभीर प्रक्रियात्मक खामियों से ग्रस्त है, बल्कि संविधान में निहित कई मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन करता है। याचिका में दलील दी गई है कि कानून बनाने की प्रक्रिया के दौरान संसदीय प्रथाओं का उल्लंघन हुआ है।

इस याचिका में कहा गया है, ''प्रक्रियात्मक रूप से, संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर समिति की मसौदा रिपोर्ट पर विचार और उसे अपनाने के चरण में तथा संसद के समक्ष उक्त रिपोर्ट की प्रस्तुति के चरण में संसदीय नियमों और प्रथाओं का उल्लंघन किया।''

याचिका में कहा गया है कि विपक्षी सांसदों की असहमति वाली राय को 13 फरवरी, 2025 को संसद में प्रस्तुत अंतिम रिपोर्ट से बिना किसी औचित्य के हटा दिया गया। बता दें कि वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। इन मामलों पर 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। बता दें कि इन मामलों की सुनवाई चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच करेगी।

नीतीश को उप प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइडेट के प्रमुख नीतीश कुमार को उपप्रधानमंत्री यानी डिप्टी पीएम बनाए जाने की मांग की गई है। ये मांग भाजपा के ही वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने की है। अश्विनी चौबे ने कहा है कि यह उनकी व्यक्तिगत इच्छा है। बता दें कि केंद्र में आने से पहले अश्विनी कुमार चौबे नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। आइए जानते हैं कि उन्होंने नीतीश कुमार को लेकर और क्या कुछ कहा है।

नीतीश को डिप्टी पीएम बनाए जाने की अपनी मांग पर अश्विनी कुमार चौबे ने कहा- ''राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में नीतीश कुमार का उल्लेखनीय योगदान है। वह गठबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत कर रहे हैं। मेरी व्यक्तिगत इच्छा है कि उन्हें उपप्रधानमंत्री बनाया जाए। यदि यह इच्छा पूरी हुई तो बिहार बाबू जगजीवन राम के बाद अपनी धरती के

दूसरे बेटे को इस पद पर आसीन होते देखेगा।'' दरअसल, बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव का आयोजन किया जाना है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि 74 वर्षीय नीतीश कुमार को सम्मानजनक विदाई की पेशकश की जा सकती है। हालांकि, ये बात साफ कर दी गई है कि एनडीए गठबंधन बिहार में सीएम नीतीश कुमार के ही नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा। अश्विनी चौबे की मांग पर जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि ''एनडीए के सभी सहयोगी सीएम नीतीश को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन के नेता के रूप में स्वीकार करते हैं।'' वहीं, राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद ने अश्विनी चौबे पर निशाना साधा और उन्हें भाजपा का स्वयंभू प्रवक्ता कहा। एजाज अहमद ने कहा, ''बेशक, भाजपा नीतीश कुमार से छुटकारा पाना चाहती है। लेकिन चौबे को यह समझना चाहिए कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हमारे नेता तेजस्वी यादव काबिज होंगे। भाजपा के सभी नेता बिहार में सत्ता की सर्वोच्च सीट के बारे में दिवास्वप्न देख सकते हैं।''

दिल्ली में मानसून आने से पहले नालों की सफाई

एलजी के साथ निरीक्षण करने पहुंची सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मानसून आने से पहले ही नालों की सफाई कराई जा रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कई बड़े नालों और वजीराबाद बैराज पर यमुना नदी के हिस्से का निरीक्षण किया, साथ ही अधिकारियों को 'रिवरफ्रंट' परियोजना पर काम करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपराज्यपाल वीके सक्सेना, जल मंत्री प्रवेश वर्मा और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के कई अधिकारी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज हम दिल्ली के लगभग हर बड़े नाले का दौरा कर रहे हैं। जब सवाल उठता है कि हम यमुना नदी की सफाई के लिए क्या कर रहे हैं...22 बड़े नालों से गाद निकालने का काम चल रहा है और हम इस दिशा में प्रगति की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

पिछली सरकार के विपरीत जो एसी कमरों से चलती थी, हम जमीन पर हैं और हमारी सरकार लोगों के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गाद निकालने संबंधी परियोजनाओं का लिया जायजा: मुख्यमंत्री ने नदी की सफाई के लिए जारी कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को यमुना रिवरफ्रंट परियोजना पर काम करने का निर्देश दिया। इस परियोजना में नदी की लंबाई में भी पैदल चलने के लिए मार्ग और मनोरंजन क्षेत्र बनाना शामिल है। यमुना नदी की सफाई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का एक प्रमुख चुनावी वादा है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने वजीराबाद में पूरक नाले, बारापुला नाला, सुनहरी पुल नाला और कुशक नाले का भी निरीक्षण किया और गाद निकालने संबंधी परियोजनाओं पर जारी कामों का भी जायजा लिया।

ट्रेन में छूट गया था विंध्याचल धाम के पुजारी का नोटों-गहनों से भरा थैला

नई दिल्ली (एजेंसी)। यात्रा के दौरान कई बार ऐसा होता है कि यात्री अपनी चीजें भूल जाते हैं। इस चक्कर में कई बार कीमती सामान भी छूट जाता है, जो किसी और के हाथ लग जाता है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो पैसा या कीमती सामान मिलने पर उसे लौटाने के लिए संपर्क करते हैं और इस तरह अपनी ईमानदारी की मिसाल पेश करते हैं। ऐसी ही एक घटना सामने आई जब संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस के कोच अटेंडेंट रणधीर कुमार सिंह ने अपनी ईमानदारी का उदाहरण पेश किया। दरअसल, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, जो राजेंद्र नगर से पटना के रास्ते चलकर नई दिल्ली स्टेशन पर पहुंची थी। ट्रेन के बी-4 कोच में एक लावारिस बैग मिला, जो नोटों और गहनों से भरा हुआ था। रणधीर कुमार सिंह ने तुरंत अपनी जिम्मेदारी समझते हुए टीटीई (ट्रेन टिकट परीक्षक) को इस बैग के बारे में जानकारी दी। टीटीई साहब ने भी बिना समय गंवाए चार्ट चेक किया।

तहव्वुर राणा को भारत लाने के बाद NIA ने जारी किया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा के प्रत्यर्पण को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा, 'यह

● कहा- उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा था

उपलब्धि वर्षों की लगातार और समन्वित कोशिशों का नतीजा है, जिसके तहत इस खूंखार आतंकी हमले के मास्टरमाइंड को न्याय के कटघरे में लाने की कोशिश की गई। राणा को भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत शुरू की गई कार्रवाइयों के बाद अमेरिका में हिरासत में

रखा गया था। प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तब पूरी हुई जब राणा के पास इस कदम को रोकने के लिए कोई कानूनी रास्ता नहीं बचा।'

'तहव्वुर राणा की सभी याचिकाएं खारिज हो गईं'

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अपने बयान में कहा, 'कैलिफोर्निया की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने 16 मई 2023 को राणा के प्रत्यर्पण का आदेश दिया था। इसके बाद राणा ने नाइंथ सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में कई मुकदमे दायर किए, लेकिन सभी खारिज हो गए। फिर उसने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में रिट ऑफ सर्टियोरेरी याचिका, दो हेबियस याचिकाएं और एक इमरजेंसी एप्लीकेशन दायर किया, लेकिन ये भी अस्वीकार कर दिए गए। भारत सरकार ने अमेरिकी सरकार से वॉन्टेट आतंकी के लिए सरेंडर वारंट हासिल करने के बाद दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की थी। अमेरिकी न्याय विभाग और यूएस स्काई मार्शल की मदद से ह्द्द ने अन्य भारतीय खुफिया एजेंसियों और ह्स्त्र के साथ मिलकर इस प्रक्रिया को अंजाम दिया।'

मुंबई हमलों में मारे गए थे 166 लोग, 238 हुए थे घायल: बयान में कहा गया, 'भारत के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने भी अमेरिका के संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर इस मामले को सफलतापूर्वक पूरा किया। राणा पर आरोप है कि उसने डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी, लश्कर-ए-तैयबा और हरकत-उल-जिहादी इस्लामी जैसे आतंकी संगठनों के सदस्यों और पाकिस्तान स्थित अन्य साजिशकर्ताओं के साथ मिलकर 2008 में मुंबई में विनाशकारी आतंकी हमले करवाए थे जिनमें 166 लोग मारे गए थे और 238 से अधिक घायल हुए थे। ह्द्द ने अपने बयान में कहा कि भारत सरकार ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (ह्क), 1967 के तहत लश्कर-ए-तैयबा और हरकत-उल-जिहादी इस्लामी को आतंकी संगठन घोषित किया है।

इंदौर में स्वर्ण रथ पर सवार हुए भगवान महावीर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में गुरुवार को महावीर जयंती का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इंदौर सहित प्रदेश के तमाम बड़े शहरों और जैन तीर्थ स्थलों पर शोभायात्राएं निकाली जा रही हैं। प्रदेश के पांच बड़े जैन तीर्थ स्थलों पर धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। सभी शहरों में दिगंबर और श्वेतांबर समाज ने अलग-अलग रथयात्रा निकाली हैं। इंदौर में श्वेतांबर जैन समाज ने सुबह राजवाड़ा से रथयात्रा निकाली। 108 युवाओं ने चांदी का रथ खींचा। यात्रा में पंजाब और कर्नाटक की नृत्य मंडली शामिल हुई। इस दौरान महावीर बाग के पास जाम लग गया। उज्जैन में श्वेतांबर-दिगंबर समाज का सामूहिक जुलूस निकला, जिसमें चांदी की वेदी जी में प्रभु को विराजमान कर समाजजन अपने कांधे पर उठाकर निकले। जुलूस में महिलाओं ने भगवान का रथ खींचा। भोपाल के लालघाटी स्थित जैन नगर में महावीर जयंती पर जैन समाज ने शोभायात्रा निकाली। इसमें सबसे आगे ढोल-नगाड़े लिए बच्चे यात्रा को साथ लिए चल रहे हैं। शिवपुरी में महावीर जयंती पर आयोजित शोभायात्रा में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हुए। शोभायात्रा में सिंधिया ने आरती की जैन समाज के युवाओं द्वारा बजाए जा रहे पारंपरिक ढोल को खुद भी बजाया।

केन्द्रीय मंत्री शाह करेंगे राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन में शिरकत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 13 अप्रैल को रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल होंगे। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री श्री शाह सहकारिता विभाग की समीक्षा भी करेंगे। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने इस परिप्रेक्ष्य में कार्यक्रम स्थल रवीन्द्र भवन में आयोजित होने वाले सम्मेलन की रूपरेखा तय की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का मुआयना कर वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि कार्यक्रम स्थल पर विभागीय नवाचार संबंधी प्रदर्शनी लगाई जाये। उन्होंने बैठक के लिये बोर्ड रूम सहित हॉल और अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा।

भारत गौरव ट्रेन से करें तीर्थ यात्रा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत गौरव पर्यटक ट्रेन 27 मई 2025 को इंदौर से रवाना होगी। यह ट्रेन देश के प्रमुख तीर्थस्थलों जैसे पुरी, गंगासागर, बाबा बैद्यनाथ, काशी विश्वनाथ, गया, वाराणसी और अयोध्या की यात्रा कराएगी। इस विशेष ट्रेन का लाभ भोपाल मंडल के यात्रियों को मिलेगा, क्योंकि यह रानी कमलापति और इटारसी जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इसके चलते भोपाल, सीहोर, होशंगाबाद और आसपास के श्रद्धालु अपने नजदीकी स्टेशनों से सीधे इस आध्यात्मिक यात्रा में शामिल हो सकेंगे। भारत गौरव ट्रेन से की जाने वाली यह यात्रा कुल 09 रात और 10 दिन की होगी। जिसमें श्रद्धालुओं को न केवल रेल द्वारा यात्रा कराई जाएगी, बल्कि प्रत्येक स्थान पर वातानुकूलित बसों द्वारा दर्शन की सुविधाएं भी दी जाएंगी। यात्रियों को ठहरने के लिए होटल सुविधा, शुद्ध शाकाहारी भोजन, अनुभवी टूर एस्कॉर्ट्स, हाउसकीपिंग, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और यात्रा बीमा की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

रेडक्रॉस इकाइयों के निर्वाचन की हो नियमित व्यवस्था : श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रदेश की जिला रेडक्रॉस समितियों के निर्वाचन कार्य की राजभवन में समीक्षा की। उन्होंने जिला इकाइयों जिनका कार्यकाल पूरा हो रहा है अथवा हो गया है। उनके निवार्चन की प्रक्रिया को शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, कलेक्टर भोपाल श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, राज्य रेडक्रॉस समिति के जनरल सेक्रेटरी सहित राजभवन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि रेडक्रॉस की सभी स्तर की इकाइयों के निर्वाचन की नियमित व्यवस्था हो। निर्वाचन कार्य समय पर हो। इस व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाए। प्रदेश की जिला इकाइयों का कार्यकाल अंतिम चरण में है अथवा पूरा हो गया है। उनके निर्वाचन का कैलेंडर जारी किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने रेडक्रॉस से संबंद्ध समितियों के निर्वाचन प्रक्रिया को भी शुरू करने के लिए कहा है। उन्होंने अधिकारियों से राजभवन द्वारा रेडक्रॉस इकाइयों को दिए गए अनुदान के उपयोग की समीक्षा करने की अपेक्षा की है। सिकल सेल एनीमिया के रोगियों को उचित औषधियों की उपलब्धता में बाधा नहीं आए। उन्होंने इस की सतत मॉनिटरिंग के लिए भी निर्देशित किया है।

हैप्पी सीडर नरवाई प्रबंधन की हाई टेक विधि-कृषि मंत्री कंषाना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि नरवाई जलाने से खेतों की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचता है। नरवाई जलाने के नुकसान को रोकने के लिए कृषि विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हैप्पी सीडर द्वारा फसल काटकर सीधे बोनी की जाती है। नरवाई से मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होता है। नरवाई मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ जोड़ती है, जिससे मिट्टी की संरचना, जल धारण क्षमता और उर्वरा शक्ति बढ़ती है। इसके साथ ही नरवाई मिट्टी की सतह को ढंककर रखती है, जिससे वाष्पीकरण कम होता है और मिट्टी में नमी बनी रहती है।

मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि नरवाई खरपतवारों के अंकुरण और विकास को दबाने में भी मदद करती है। यह मिट्टी को बहने और कटने से बचाती है और धीरे-धीरे विघटित होकर मिट्टी में पोषक तत्वों को वापस लाती है। नरवाई मल्च के रूप में कार्य करती है, जो शून्य जुताई जैसी टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए अनुकूल वातावरण बनाती है। ग्रीष्मकालीन मूंग की बोनी में नरवाई प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। पिछली फसल की कटाई के बाद नरवाई को खेत में ही छोड़ दें और यदि नरवाई बहुत अधिक है, तो उसे काटकर फैला दें ताकि मूंग की बोनी में आसानी हो। यह विधि मिट्टी की नमी बनाए रखने, खरपतवारों को दबाने और मिट्टी के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करती है। शून्य जुताई विधि अपनाने वाले किसानों के लिए यह विधि महत्वपूर्ण है। पिछली फसल की कटाई के बाद खेत की हल्की जुताई करें ताकि नरवाई मिट्टी में मिल जाए। यह नरवाई के विघटन को तेज करता है और मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ाता है।

जल की बूंद-बूंद का संरक्षण करें -मंत्री सिलावट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल संसाधन विभाग मंत्री श्री तुलसी राम सिलावट ने बुधवार को %जल गंगा संवर्धन% अभियान के अंतर्गत केरवा डैम के समीप श्रमदान किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों से जल की एक-एक बूंद को संरक्षित करने का आह्वान किया। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प को पूरा करने और नदियों एवं तालाबों के संवर्धन के लिए प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक %जल गंगा संवर्धन% अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में जल स्त्रोतों के संरक्षण, जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य व्यापक पैमाने पर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सभी अपनी सक्रिय भागीदारी से सफल बनाएं।

केरवा डैम, भोपाल के समीप जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आयोजित किए गए श्रमदान कार्यक्रम में विधायक श्री भगवानदास सबनानी, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री विष्णु खत्री, श्री तीरथ मीणा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री प्रमोद राजपूत, सरपंच श्रीमती मीरा तोमर, पर्यावरण विद श्री अभिलाष खांडेकर, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे। मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को जल स्त्रोतों के सौंदर्यीकरण और गहरीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के तालाबों पर हर प्रकार के अतिक्रमण को तत्काल हटाने के भी सख्त निर्देश दिए। श्री सिलावट ने कहा कि जल संकट का समाधान जल गंगा संवर्धन अभियान में निहित है।

हमें आने वाली पीढ़ी के उज्जवल, सुगम भविष्य के लिए आज चिंतन करने की आवश्यकता है : प्रभारी मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री एवं भिंड जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को जिला योजना समिति की बैठक जिला पंचायत सभागार भिण्ड में की गई। विधायक भिण्ड श्री नरेन्द्र सिंह कुशवाह, विधायक गोहद श्री केशव देसाई, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह भदौरिया, कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव, सीईओ जिला पंचायत श्री सुनील दुबे, सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। मंत्री श्री पटेल ने बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा कर कहा कि यह अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का महत्वाकांक्षी अभियान है। इससे पानी का भण्डारण कर आम जन मानस को पर्याप्त पेयजल की सुविधा प्रदान की जा सके। अभियान को जन प्रतिनिधियों सहित जन भागीदारी के सहयोग से वृहद रूप से संचालित करें। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोत लगातार सूख रहे हैं, हमें आने वाली पीढ़ी के उज्जवल सुगम भविष्य के लिए आज चिंतन करने की आवश्यकता है। उन्होंने जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा पौध-रोपण के लिए युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये कहा कि पौधे लगाना ही नहीं बल्कि पौधे को वृक्ष बनाना भी जरूरी है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से आने वाले बेहतर भविष्य के लिए जल संरक्षण एवं पौध-रोपण का आहवान किया। मंत्री श्री पटेल ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्म काल में पेयजल की समस्या निदान के लिए जिले में वृहद स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान को संचालित करना है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए अधिक से अधिक खेत, तालाब, नदी तालाबों का निर्माण कराया जाये। साथ ही सम्मानित जन प्रतिनिधिगण भी अपने-अपने क्षेत्रों के ऐसे स्थानों को चयनित कर कार्य प्रारंभ कराएं। मंत्री श्री पटेल ने निर्देश दिए कि ऐसे हैंडपंप जो खराब हो चुके हैं, पेयजल योग्य नहीं हैं, उन्हें हटाकर वर्षा का जल संरक्षण के योग्य बनाया जाए, जिससे जितना जल उस हैंडपंप के माध्यम से निकाल चुके हैं

कम से कम उतना जल वर्षा जल के माध्यम से भूमि को वापस किया जा सके।

कार्ययोजना के प्रावधानों से जन-जन तक पहुंचेगी परिषद: नागर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संवाद योजनांतर्गत प्रदेश में स्वैच्छिकता के वातावरण को सुदृढ़ करने एवं विकास कार्यों में जनसहभागिता सुनिश्चित करने के उददेश्य से म.प्र. जन अभियान परिषद की वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्ययोजना पर परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुधवार को राज्य कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में चालू वित्तीय वर्ष में परिषद की योजनाओं प्रस्फुटन, नवांकुर, संवाद, दृष्टि, समृद्धि, विस्तार योजना के प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा हुई। परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड़ द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने कहा कि कार्ययोजना के प्रावधानों से परिषद जन-जन तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रावधानों से भी अधिक आवश्यक है परिषद के मूल स्वैच्छिकता भाव को संपोषित कर प्रदेश के सर्वागीण विकास में लगाना। उन्होंने जनभागीदारी से जन अभियानों को सफल करने में परिषद की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि इससे परिषद को प्रतिष्ठा और पहचान दोनों मिल रही है। परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड ने कहा कि नवांकुर संस्थाओं का चयन स्थानीय स्तर पर होना चाहिए। परिषद को ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का क्षमता संवर्द्धन कर उनका चयन नवांकुर संस्था के रूप में किये जाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। परिषद के उददेश्यों और लक्ष्यों के प्रति समर्पण का आग्रह करते हुए उन्होंने परिषद परिवार से प्रतिबद्धता, निष्ठा और पारदर्शिता से कार्य करने का आग्रह किया। बैठक में योजनाओं से संबंधित प्रावधान प्रपत्र प्रस्तुत किये गये, जिन पर महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए।

केवल निर्माण कराना पंचायत का कार्य नहीं, हमें लोगों की विचार प्रणाली भी बदलना होगी -प्रभारी मंत्री श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम एवं भिंड जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि पंच, सरपंच वो कड़ी है जो हमें सामर्थ्य देगा और हमारे सामर्थ्य से राज्य और देश शक्तिशाली बनेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनी हुई व्यवस्था ही सबसे ऊपर होती है। त्रि-स्तरीय पंचायत राज व्यवस्था में अधिकारों और कर्त्तव्यों का सामंजस्य आवश्यक है। पंचायत पदाधिकारी संवाद, समन्वय और संपर्क का उपयोग कर बेहतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि केवल निर्माण कार्य करना ही पंचायत का काम नहीं है। हमें लोगों की विचार प्रणाली को भी बदलना होगा। उन्होंने कहा कि जैसे आप सभी अपना परिवार चलाते हैं, अगर उसी प्रकार अपनी पंचायत को चलाएंगे तो विकास जरूर होगा। मंत्री श्री पटेल कम्युनिटी हॉल मेला ग्राउण्ड भिण्ड में आयोजित। पंच, सरपंच सम्मेलन उन्मुखीकरण कार्यक्रम इस अवसर पर विधायक भिण्ड श्री नरेन्द्र सिंह कुशवाह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह भदौरिया सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं पंच, सरपंच उपस्थित रहे।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग ने की विभागीय समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने टी.टी. नगर खेल स्टेडियम में एक मई से शुरू होने वाली पार्थ योजना की समीक्षा की। पार्थ योजना पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, मुरैना, शहडोल, सागर, इंदौर और उज्जैन में शुरू की जा रही है। इस योजना के जरिये हर स्थान पर 50-50 बच्चों का चयन कर उन्हें लाभान्वित किया जायेगा।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि योजना शुरू होने से पहले उन स्थानों के कलेक्टर्स के साथ चर्चा की जाये। साथ ही

भोपाल से निर्धारित स्थानों पर आवश्यक तैयारियों का जायजा लेने के लिये अधिकारियों को भेजा जाये, जो स्ट्रक्चर और इन्फ्रा-स्ट्रक्चर का आकलन जिला खेल अधिकारी के साथ मिलकर करें। योजना में प्रशिक्षण पूर्व आकलन की एसओपी तैयार की जाये। इसके लिये कमेटी का भी गठन करें। हरेक प्रक्रिया की एसओपी हो। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी हो। श्री सारंग ने बच्चों की सुविधा को देखते हुए समय निर्धारित करने को कहा। योजना के जरिये सप्ताह में 6 दिन प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये। उन्होंने रविवार के दिन प्रशिक्षणार्थी को स्वैच्छा से फिजिकल एक्टिविटी की छूट देने को कहा।

मंत्री श्री सारंग ने योजना के संचालन एवं क्रियान्वयन, प्रशिक्षणार्थी पात्रता, शैक्षणिक योग्यता, आयु, प्रशिक्षण की अवधि, शुल्क, शारीरिक प्रशिक्षण, प्रशिक्षण समय, मानव संसाधन, प्रशिक्षक का मानदेय, वित्तीय प्रबंधन, आवश्यक सामग्री, किट, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार आदि पर विस्तार से चर्चा की। मंत्री श्री सारंग ने खेलो-बढ़ो अभियान के लिये स्कूलों का चयन कर कैलेण्डर बनाने के निर्देश दिये।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल में एआई/एमएल आधारित कृषि उपज मॉडलिंग पर हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में एआई/एमएल आधारित कृषि उपज मॉडलिंग पर विशेषज्ञों ने गहन जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए वैज्ञानिक, रीमोट सेंसिंग सेंटर, कृषि विभाग एवं बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के पहले दिन डॉ. सुनील दुबे (उप निदेशक, एमएनसीएफसी, डीए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार) ने यस-टेक परियोजना की कार्यप्रणाली, कार्यान्वयन की स्थिति, राज्यों में प्रगति, चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। श्री ऋषभ सक्सेना (पायथन डेवलपर एवं एआई/एमएल विशेषज्ञ, ने एआई/एमएल तकनीक का परिचय देते हुए फसल उपज अनुमान मॉडल को प्रस्तुत किया। उन्होंने न्यूरल नेटवर्क और रैंडम फॉरेस्ट जैसे तकनीकों के उपयोग के साथ क्रॉस वैलिडेशन मैट्रिक्स के माध्यम से त्रुटि विश्लेषण की जानकारी दी। डॉ. नीतू (वैज्ञानिक एसएफ, आरआरएससी, उत्तर नई दिल्ली) ने उपग्रह डाटा की सहायता से फसल मानचित्रण की उन्नत विधियों पर व्याख्यान देते हुए कृषि में हो रहे बदलावों को एआई/एमएल एवं रीमोट सेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुत किया। डॉ. करुण कुमार चौधरी (वैज्ञानिक-एसएफ, प्रमुख - फसल मूल्यांकन प्रभाग, एएसएजी, एनआरएससी) ने उपज अनुमान मॉडलिंग में रीमोट सेंसिंग, बीमा इकाई एवं प्रयोगों की विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. भवानी (एमएनसीएफसी, नई दिल्ली) ने धान की फसल पर आधारित उपज अनुमान मानचित्र प्रस्तुत किया और वर्तमान में अपनाई जा रही एआई/एमएल तकनीकों की भूमिका को रेखांकित किया। व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र में श्री मनोज पटीदार एवं [illegible] टीम ने डाटा डाउनलोडिंग एवं प्रोसेसिंग की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन डॉ. जी.डी. बैरागी (वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, [illegible]) ने खरीफ मौसम में सोयाबीन फसल की उपज के लिए राजस्थान राज्य में यस-टेक परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित जिलों में [illegible] मॉडलिंग की प्रस्तुति दी। कुछ राज्यों के प्रतिनिधियों ने भी अपने अनुभव साझा किए— ओडिशा ने क्रॉप हेल्थ फैक्टर पर आधारित कार्य प्रस्तुत किया, उत्तर प्रदेश ने एग्री-बाजार के माध्यम से यस-टेक परियोजना के कार्यान्वयन को साझा किया, कर्नाटक ने सिमुलेशन मॉडल के माध्यम से क्रॉप मैपिंग की जानकारी दी, हरियाणा ने मोबाइल एप्स द्वारा खसरा आधारित उपज अनुमान की तकनीक प्रस्तुत की।

स्मार्ट पीडीएस एक मई से लागू करना प्रस्तावित-खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि स्मार्ट पीडीएस एक मई 2025 से लागू किया जाना प्रस्तावित है। मंत्री श्री राजपूत ने पीडीएस के सभी पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया है कि उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार भी सभी पात्र हितग्राहियों का ई-केवायसी कराना अनिवार्य है।

अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बुधवार को ई-केवायसी अभियान और न्यूनतम समर्थन मूल्य गेहूँ उपार्जन की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र हितग्राहियों का ई-केवायसी कर दोहरे एवं मृत हितग्राहियों के नाम सूची से विलोपित करवायें। ई-केवायसी की सुविधा पीओएस मशीन पर उपलब्ध है। मोबाइल ऐप से भी ई-केवायसी किया जा सकता है। एसीएस श्रीमती शमी ने इस कार्य में लगी टीम ग्राम/मोहल्ले में जाकर ई-केवायसी करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ई-केवायसी अभियान के दौरान राशन वितरण प्रभावित नहीं होना चाहिए। इस कार्य में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय प्रशासन विभाग के अमले का भी सहयोग लिया जाये।

एसीएस श्रीमती शमी ने गेहूँ उपार्जन की प्रगति की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्र पर बारदाना एवं हम्माल/तुलावटी की समुचित व्यवस्था करें। स्लॉट बुकिंग अनुसार उपार्जन केन्द्रों में तौलकांटों की संख्या बढ़ाई जाये। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन किसानों द्वारा स्लॉट बुक कर लिया गया है, उनसे उपज विक्रय के लिये सम्पर्क करें। भारत सरकार द्वारा निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड के गेहूँ का ही उपार्जन करें। उपार्जित गेहूँ के परिवहन पर विशेष ध्यान दें।

प्रदेश में 360 मटेरियल रिकवरी फेसिलिटीज से सूखे कचरे का हो रहा प्र-संस्करण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में नगरीय निकायों में कचरा संग्रहण, परिवहन एवं प्र-संस्करण सुविधाओं के विकास के लिये नगरीय निकायों को अनुदान दिया जा रहा है। इसके साथ ही केन्द्र सरकार ने प्रदेश के सभी शहरों को कचरा मुक्त बनाने के लिये 5 हजार 914 करोड़ रूपये की मंजूरी दी है। प्रदेश के 405 नगरीय निकायों में कम्पोस्टिंग इकाइयों के माध्यम से गीले कचरे का और 360 मटेरियल रिकवरी फेसिलिटीज के माध्यम से सूखे कचरे का प्र-संस्करण किया जा रहा है। इंदौर में गोबरधन बॉयो सीएनजी प्लांट इकाई के माध्यम से 500 टन प्रतिदिन क्षमता का अत्याधुनिक प्लांट संचालित किया जा रहा है। इंदौर के प्लांट से वेस्ट-टू-वेल्थ तथा सर्कुलर इकॉनामी की परिकल्पना साकार हुई है। इंदौर के प्लांट से सीएनजी के अलावा प्रतिदिन 100 टन उच्च गुणवत्ता की खाद भी तैयार की जा रही है। इसका उपयोग इंदौर शहर के आस-पास स्थानीय खेतों में किया जा रहा है। इससे खेतों में रासायनिक उर्वरकों की जरूरत कम हुई है। नगरीय निकायों में स्थित लीगेसी वेस्ट का निपटान की कार्य योजना नगरीय विकास विभाग ने तैयार की है।

भारतीय सिंधू सभा ने मनाया सिन्धी भाषा दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था भारतीय सिंधू सभा सतना के तत्वाधान में राष्ट्रीय सिन्धी भाषा दिवस पर आयोजित भव्य विचार संगोष्ठी में स्वागत उद्बोधन देते हुए संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी जी ने आए हुए सभी सम्मानीय जनो का शब्दों से स्वागत करते हुए कहा 10अप्रैल 1967में सिन्धी भाषा को संविधान में वैधानिक भाषा का दर्जा मिला। किसी भी जाति या कोम की पहचान उसकी मातृभाषा से होती है हमारी संस्कृति एवं मातृभाषा अत्यंत प्राचीन है। हमें अपनी भाषा एवं संस्कृति पर गर्व करना चाहिए।

संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया 10 अप्रैल गुरुवार को सिन्धी भाषा दिवस पर सिन्धी कॉलोनी स्तिथ बाबा मेहरशाह दरबार में विचार गोष्ठी आयोजित की गई गोष्ठी की शुरुआत गुरुद्वारा परिसर में स्थापित प्रतिमाओं पर पुष्पवर्षा कर की

सर्वप्रथम प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा भारत पाक विभाजन के समय हमारे बड़े बुजुर्गों ने काफी कठिनाइयां झेलने के बाद भी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाया आज हम जो हैं अपने बुजुर्गो की मेहनत और संस्कारों से हे संरक्षक श्री गोपी गेलानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा हर अच्छे कार्य की शुरुआत अपने घर से होनी चाहिए इसलिए सर्वप्रथम अपनी भाषा संस्कार अपने घर से प्रारंभ करना चाहिए। जेठानंद वाधवानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा सभी भाषाओं का ज्ञान होना चाहिए मगर सर्वप्रथम अपनी मातृभाषा का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि भाषा ही अपनी पहचान है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विजय जग्यासी,मनोहर आर्तनी, देवेंद्र सत्यवानी राजेश कोटवानी अशोक वाधवानी कन्हैयालाल कामदार ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने किया एवं आभार संरक्षक श्री गोपीचंद कापड़ी जी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सतीश सुखेजा, गोपी गेलानी,अशोक चांदवानी श्री अशोक आहूजा मनोहर आर्तनी विनोद गेलानी देवेंद्र सतवाणी गोपीचंद कापड़ी विजय जग्यासी जेठानंद वाधवानी अशोक वाधवानी राजेश कोटवानी कन्हैयालाल कामदार जितेंद्र साबनानी मनोज नोतानी विकास सुखेजा जैकी छाबड़िया विनय सुखेजा दीपक वाधवानी संजय वाधवानी मोहन वलेचा भरत मघनानी बंसी नागदेव गंगाराम सचदेव लाली गुर बक्शनी भागचंद वासवानी [मम्मू] एवं कई समाजसेवी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

5 रुपए के लिए लिट्टी-चोखा वाले ने ग्राहक को चाकू से गोदा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में 5 रुपए के विवाद ने हिंसक मोड़ ले लिया। गीर छांदा में लिट्टी-चोखा की दुकान के मालिक सुजीत गुप्ता ने अपने नियमित ग्राहक विश्वनाथ सिंह गोड़ को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना बुधवार देर शाम की हैं।

विश्वनाथ सिंह रोजाना की तरह दुकान पर लिट्टी-चोखा खाने गए थे। भुगतान के समय 5 रुपए कम होने पर उन्होंने अगले दिन देने का वादा किया। इस बात से नाराज दुकानदार ने पहले उन्हें सड़क पर पटका।

फिर लात-घूंसों से मारपीट की। इतना ही नहीं, उसने विश्वनाथ के सिर और शरीर पर कई बार चाकू से वार किए। घायल विश्वनाथ को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चितरंगी में भर्ती कराया गया।

चितरंगी थाना प्रभारी सुदेश तिवारी के अनुसार पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी सुजीत गुप्ता की तलाश कर रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

घटना में घायल विश्वनाथ सिंह गौड़ के पिता राम जियावन ने बताया कि बेटा अक्सर सुजीत गुप्ता की दुकान पर जाया करता है। ऐसा नहीं है की सुजीत मेरे बेटे को पहचानता नहीं है पर वह झगड़ालू किस्म का है।

पहले भी कई लोगों से झगड़ा कर चुका है विवाद क्या हुआ है यह तो मुझे नहीं पता लेकिन जब बेटे से बात हुई तो उसने बताया की 5 रुपए कम पड़ गए थे। मैंने सुजीत को कहा कि कल ले लेना तो उसने कहा सब यही बोलते हैं फिर कोई पैसा नहीं देता है।

मुझे आज ही चाहिए, नहीं था पैसा तो क्यों खाए थे, बस इसी बात में प्याज काटने वाला चाकू जो उसने ठेले पर रखा था वह लेकर के बेटे की तरफ दौड़ा और उसके सिर और पीठ में चाकू मार दिया। उसके बाद जमीन पर गिरा कर पीटने लगा जब तक लोग बचाने आए तो सुजीत वहां से दौड़कर भाग गया।

लोक जैव विविधता पंजी निर्माण के लिए नईगढ़ी में बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के नईगढ़ी जनपद की लोक जैव विविधता पंजी निर्माण के लिए जैव विविधता प्रबंधन समिति की बैठक जनपद अध्यक्ष श्रीमती ममता कुंजबिहारी तिवारी की अध्यक्षता में नईगढ़ी जनपद कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में लोक जैव विविधता पंजी (पीबीआर) के निर्माण के लिए जैव विविधता बोर्ड भोपाल से प्राप्त नवीन प्रपत्रों एवं विभागों से प्राप्त होने वाली अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों की चर्चा की गई। आंकड़ों को एकत्र करने के लिए जनपद पंचायत के सेक्टरवार उच्च जैव विविधता वाली पंचायतों का चुनाव किया गया तथा कार्य योजना की रूप रेखा तय की गई। इसके लिए जैव विविधता प्रबंधन समिति सदस्यों और विभागों के अधिकारियों से सुझाव भी प्राप्त किए गए। बैठक में जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामसिया कुशवाहा, जनपद सी.ई.ओ. कल्पना यादव, पी.आई. डॉ. अर्पणा मिश्रा, प्रोजेक्ट को इन्वेस्टिगेटर प्रोफेसर स्कंद मिश्रा, डॉ. विश्वजीत तिवारी, बीएमसी के सदस्यगण तथा वन, कृषि, उद्यानिकी, पशु पालन, पंचायत, शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत जनपद पंचायत के प्रसिद्ध अष्टभुजी मंदिर, बहुती जल प्रपात, क्षेत्र की गौशाला, जनपद की पंचायतों का दौरा कर किसानों से चर्चा की गई तथा रबी फसल, बगिया, तालाबों, स्थानीय बाजार का सर्वे, अवलोकन किया गया। जनपद नईगढ़ी के विद्यालयों का भ्रमण कर शिक्षकों और छात्रों से जैव विविधता पर चर्चा की गई।

नजूल निर्वतन समिति की बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संभागीय नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक 11 अप्रैल को कमिश्नर कार्यालय सभागार में प्रातः 11.30 बजे से आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता कमिश्नर बीएस जामोद करेंगे। बैठक में सिंगरौली जिले के प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

सतना-चित्रकूट फोरलेन सड़क के लिए 1500 करोड़ की केंद्रीय मंत्री ने दी स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आज धार जिले के बदनावर में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में कैलाश विजयवर्गीय ने यह बात कही। इस अवसर पर ?3500 करोड़ की लागत से निर्मित 218 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण तथा ?2330 करोड़ की लागत की 110 किलोमीटर लंबी नई परियोजनाओं का भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के पहले सतना के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंच से नितिन गडकरी से मांग करते हुए कहा था अगर आप 'सतना से चित्रकूट तक की सड़क अगर आप स्वीकृत कर देंगे तो हम सब कृतज्ञ होंगे' इसके बाद कैलाश विजयवर्गीय नए नितिन गडकरी को बताया "भोले नाथ" बताते हुए कहा "इनसे जो मांगो वह दे देते हैं", कहा "पूरे देश का इंफ्रास्ट्रक्चर बदलने का श्रेय नितिन गडकरी को जाता है" नितिन गडकरी ने मंच से सतना चित्रकूट फोरलेन मार्ग के लिए 1500 करोड़ की दे दी स्वीकृति।

मैं गऊ हूं मुझे भी बचा लो?

शेर तो दहाड़ रहा है सरभंगा के टाइगर रिजर्व को लेकर नेता,समाजसेवी, नौजवान सब मैदान में हैं। परन्तु मैं गऊ हूं न इसीलिए मारी मारी घूमती हूं और कोई नही पूछता , क्यों?

क्या गौ माता के लिए भी काऊ सफारी योजना को मूर्त रुप देने के लिए भी नेता समाजसेवी, नौजवानों में यही जोश, यही चौपाल, यही आंदोलन दिखाई देते हैं? कही नहीं।

क्या कभी 'काऊ सफारी' (गौ अभ्यारण्य) के लिए भी जन आंदोलन होगा या फिर बाघों के लिए सेल्फी और गायों के लिए खामोशी ही रहेगी? चित्रकूट की धरती पहले काऊ सफारी फिर टाइगर रिजर्व की पुकार कर रही है।अब वक्त है 'काऊ सफारी' योजना को धरातल पर कार्य रूप में लाने की

क्या आप सभी टाइगर रिजर्व की ही तरह काऊ सफारी के लिए भी इसी तरह हाहाकार करेंगे यदि हां तो कृपया पहले गाय फिर शेर के लिए सहयोग करें।

आपका शुभचिंतक- इंजी.अशोक कुमार शुक्ला, बरुआ (पिंडरा)

कांग्रेस नेता के बेटे ने ढाबा मालिक का किया अपहरण, कमरे में बंद कर पीटा, अर्धनग्न छोड़ा

गाड़ी को टक्कर मारने से शुरू हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में एक ढाबा संचालक के साथ कथित तौर पर अपहरण और मारपीट का मामला सामने आया है। कांग्रेस नेता रामनिवास उरमलिया के बेटे लेखू और उसके साथियों पर गंभीर आरोप लगे हैं।

घटना बुधवार रात सवा 9 बजे की है। बाईपास स्थित रामपथ गमन मार्ग पर शिवम पयासी के ढाबे पर कुछ ग्राहक खाना खा रहे थे। इसी दौरान लेखू अपने साथियों के साथ काली कार में वहां पहुंचा। उसने एक खड़ी गाड़ी को टक्कर मार दी। जब ग्राहकों ने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की।

ढाबा संचालक शिवम पयासी जब बीच-बचाव करने आए, तो उनके साथ भी हाथापाई की गई। कुछ देर बाद लेखू अपने साथियों के साथ लौटा और शिवम का अपहरण कर लिया। पीड़ित की शिकायत के अनुसार, उसे पहले कार में और फिर भेडा गांव के एक कमरे में ले जाकर बेरहमी से पीटा गया। शिवम(32) के परिजन रात भर उनकी तलाश करते रहे। अगली सुबह 7 बजे वह एक गेहूं के खेत में अवस्था में मिले। टीआई अनिमेष द्विवेदी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सीधी में जल संरक्षण के तहत ग्रामीणों ने की सफाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। डेवा गांव में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नवांकुर संस्था और महावीर ग्राम विकास समिति डेवा के संयुक्त प्रयासों से गांव के जल स्रोतों का जीर्णोद्धार किया गया। गुरुवार शाम 6 बजे आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने नदी, नाले और तालाबों की सफाई की। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में परामर्शदाता अनिल पांडेय की विशेष उपस्थिति रही। ग्राम पंचायत के सचिव, रोजगार सहायक और उपसरपंच भी मौजूद रहे। गांव के वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अभियान में पुराने तालाब, कुएं और जलाशयों की सफाई की गई। इससे गांव का जल स्तर सुधरेगा। ग्रामीणों ने श्रमदान के माध्यम से यह कार्य पूरा किया। जन अभियान परिषद के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर रजनीश मिश्रा ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

यह पहल पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ जल सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सामूहिक प्रयास ने साबित किया है कि समाज के एकजुट होने पर सकारात्मक बदलाव संभव है।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर आश्रित को मिलेंगे दो लाख रुपए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में विभिन्न कारणों से बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन दुर्घटनाओं में कई व्यक्ति अपनी जान गवां देते हैं। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों का भी जीवन कठिन हो जाता है। अब तक अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मृतक के आश्रितों को सोलेशियम फण्ड से 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी। इसके स्थान पर हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 लागू की गई है। इस योजना से अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर मृतक के आश्रितों को दो लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। योजना की मानीटरिंग के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। इसमें पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। कलेक्टर इस समिति में एक स्वयंसेवी सदस्य को नामांकित करेंगे। बीमा कंपनी के अधिकारी को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर पीड़ित व्यक्ति तहसीलदार अथवा एसडीएम को निर्धारित प्रपत्र में सहायता राशि के लिए आवेदन प्रस्तुत करेंगे। आवेदन पत्र के साथ दावाकर्ता के बैंक खाते की छायाप्रति, अस्पताल में उपचार कराने के बिल, घायल अथवा मृतक की पहचान तथा पता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके साथ-साथ पुलिस में दर्ज एफआईआर की प्रति, दावा करने वाले की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण पत्र, मौत की स्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं गंभीर चोट होने पर एमएलसी रिपोर्ट देना आवश्यक होगा। इसका आवेदन करने पर संबंधित जाँच दावा अधिकारी तहसीलदार अथवा एसडीएम 30 दिवस में अपनी जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर इस रिपोर्ट पर 15 दिवस में आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित को सहायता राशि का भुगतान कराएंगे तथा परिवहन आयुक्त को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे।

पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में शामिल हुईं संयुक्त संचालक

संयुक्त संचालक ने आंगनवाड़ी केन्द्र में कराई गोद भराई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 8 अप्रैल से पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा हैं। इसके तहत आंगनवाड़ी केन्द्रों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य रक्षा, सुपोषण और साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया जा रहा है। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती ऊषा सिंह सोलंकी ने पोषण पखवाड़े के दौरान गत दिवस सिंगरौली जिले का भ्रमण किया। संयुक्त संचालक ने देवसर बाल विकास परियोजना के आंगनवाड़ी केन्द्र नौढ़इया में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई। उन्होंने महिलाओं को समझाइश देते हुए कहा कि गर्भावस्था के दौरान नियमित रूप से स्वास्थ्य जाँच कराएं। डॉक्टर की सलाह के अनुसार उचित पोषण आहार तथा आयरन की दवाएं नियमित रूप से लें। माता स्वस्थ रहेगी तो उसका शिशु भी स्वस्थ रहेगा। गर्भावस्था के दौरान किसी भी तरह की कठिनाई आने पर तत्काल अस्पताल जाकर डॉक्टरों से उचित सलाह लें। आंगनवाड़ी केन्द्र में बघेलखण्ड के परंपरागत शिशु के जन्म पर गाये जाने वाले सोहर गीत के साथ गोद भराई कराई गई। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक तथा महिलाएं उपस्थित रहीं।

विचार

गांवों में रुपये पैसे की जरुरत पूरी करने में आज भी रिश्तों की डोर अधिक मजबूत

नाबार्ड की हाल ही मार्च, 25 में जारी रिपोर्ट से जहां इस बात का संतोष होता है कि ग्रामीण क्षेत्र में संस्थागत ऋण प्रवाह का दायरा बढ़ा हैं वहीं यह भी चिंता चिंताजनक हालात सामने आये हैं कि गैरसंस्थागत स्त्रोतों से जरुरत के समय कर्ज प्राप्त करने वाले ग्रामीणों में से करीब साढ़े सात फीसदी लोगों को 50 फीसदी से भी अधिक ब्याजदर से कर्ज चुकाना पड़ रहा है। इससे यह साफ हो जाता है कि एक बार गैर संस्थागत स्त्रोत से कर्जदार बने तो फिर कर्ज के मकड़जाल से निकलना असंभव नहीं तो बहुत ही मुश्किल भरा होगा। नाबार्ड की रिपोर्ट को ही आधार मानकर चले तो सितंबर, 24 में जुटाये आंकड़ों के अनुसार 17.6 फीसदी लोग अपनी रुपये पैसे की तात्कालीक जरुरतों को पूरा करने के लिए गैर संस्थागत स्त्रोतों पर निर्भर है। हालाकि इसमें करीब साढ़े तीन फीसदी का सुधार है पहले 21.1 प्रतिशत ग्रामीण अपनी ऋण जरुरतों को पूरा करने के लिए गैर संस्थागत स्त्रोतों पर निर्भर थे। फिर भी हमारी ग्रामीण संस्कृति की इस खूबी की सराहना करनी पड़ेगी कि आज भी 31.7 प्रतिशत रिश्तेदार या परिचित ऐसे हैं जो दु:खदर्द में भागीदार बनते हैं और ऐसे समय में उपलब्ध कराये गये रुपये पैसे पर किसी तरह का ब्याज नहीं लेते। हांलाकि रिश्तेदारों या परिचितों से इस तरह की रुपये पैसे की आवश्यकता कुछ समय के लिए ही होती है और समय पर लौटा दिया जाता है। यह भी नाबार्ड द्वारा जारी रिपोर्ट से ही उभर कर आया है।

दरअसल चाहे ग्रागीण हो या शहरी तात्कालीक आवश्यकताएं आ ही जाती है जिनके लिए तत्काल रुपये पैसे की आवश्यकता होती है। अन्य कोई सहारा नहीं देखकर व्यक्ति इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रिश्तेदार, परिचित, साहूकार, दोस्त, कमीशन एजेंट या रुपये पैसे उधार देने वाले लोगों के सामने हाथ पसारते हैं। अब इनमें से एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो व्यक्ति की मजबूरी का फायदा उठाने में किसी तरह का गुरेज नहीं करते और हालात यहां तक हो जाते हैं कि मजबूरी का फायदा उठाते हुए 50 से 60 प्रतिशत तक ब्याज लेने में किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं दिखाते। हांलाकि ऐसे लोगों का प्रतिशत या संख्या कम है पर इसे सिरे से नकारा नहीं जा सकता। रिपोर्ट के अनुसार ऋण लेने वाले करीब 40 फीसदी ग्रामीणों को 15 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक के बीच में ब्याज का चुकारा करना पड़ता है। 0.9 प्रतिशत को 60 प्रतिशत या इससे अधिक तो 6.6 फीसदी को 50 प्रतिशत से अधिक की ब्याजदर पर लिए गए ऋणों का चुकारा करना पड़ता है।

कारोबारियों को मिलेंगे ढेरों फायदे

भारत ने दो देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते करने में दिलचस्पी दिखाई है, ताकि उसके कारोबारियों को भी द्विपक्षीय व्यापार के फायदे मिल सकें। जानकारों का कहना है कि भारत अमेरिका समेत ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, ओमान, कतर, न्यूजीलैंड, पेरू, श्रीलंका आदि देशों के साथ मुक्त व्यापार और द्विपक्षीय कारोबार समझौतों पर वार्ता कर रहा है, जो यदि सफल हुआ तो इससे हासिल नए बाजार में भारत के छोटे उद्योगों को लगभग डेढ़ दर्जन से ज्यादा करार मिलेंगे। समझा जाता है कि इससे अमेरिका द्वारा भारत पर लगाये गए जवाबी आयात शुल्क भी बेअसर हो जाएंगे। इस बारे में आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि यदि लक्षित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को करने में भारत सफल हो जाता है तो न केवल सीमा शुल्क में कमी आएगी, बल्कि उन्हें खत्म भी किया जा सकता है। इससे वहां के बाजारों तक भारतीय मालों की पहुंच भी आसान हो जाएगी।

इसके अलावा सम्बन्धित देशों के बीच व्यापार की गति तेज होगी और वहां होने वाले निवेश की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। साथ ही, बौद्धिक संपदा की रक्षा संभव हो सकेगी। विभिन्न सेवाओं का व्यापार भी बढ़ेगा। इससे जहां उन देशों के साथ लॉजिस्टिक लागत कम आएगी, वहीं छोटे व्यवसायों को बम्पर मौके मिलेंगे।

यही वजह है कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए जवाबी टैरिफ यानी आयात शुल्क के बीच भारत ने दुनिया के बाकी देशों के साथ जारी व्यापार समझौतों की गति तेज कर दी है। बहरहाल भारत सरकार की कोशिश है कि न केवल अमेरिका के साथ द्विपक्षीय समझौता तेजी से पूरा हो, बल्कि यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, ब्रिटेन जैसे अन्य देशों के साथ भी मुक्त व्यापार (एफटीए) और द्विपक्षीय समझौतों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इसके दृष्टिगत भारत सरकार ने अपनी ओर से ततपरता बढ़ा दी है ताकि भारतीय मालों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए 26 प्रतिशत आयात शुल्क (अमेरिकी रेसिप्रोकल टैक्स) का न्यूनतम असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़े। समझा जाता है कि भारत सरकार की इस विषयक सफलता से भारत के उद्यमियों को अन्य देशों के साथ मिलकर कारोबार करने का मौका मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि मौजूदा वक्त में अमेरिकी व्यापार नीतियों के परिवर्तित स्वरूप को देखते हुए अन्य देशों ने भी भारत के साथ चल रहे व्यापार समझौतों को लेकर जारी वार्ता में तेजी लाने की इच्छा जताई है, जिसे भारतीय प्रशासन ने भी हरी झंडी दे दी है। उल्लेखनीय है कि फिलवक्त भारत द्वारा न्यूजीलैंड, अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ (ईयू), ओमान, पेरू, कतर, और श्रीलंका जैसे 20 से अधिक देशों के साथ भी व्यापार समझौतों पर वार्ता की जा रही है, जिसके सार्थक परिणाम शीघ्र मिलने की उम्मीद है। इनमें अमेरिका, कतर, ओमान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ जारी वार्ता को अच्छी खासी प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि इसके सार्थक परिणाम भी बहुत जल्द ही सामने आएं। वहीं, इस बात के प्रबल आसार हैं कि जल्द से जल्द ही इन समझौतों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। क्योंकि अब इन्हीं के जरिए भारत बाकी देशों के साथ मिलकर व्यापार के नए अवसर तलाशने की कोशिश कर रहा है।

जानकार बताते हैं कि भारत ऑस्ट्रेलिया समेत 13 देशों से इस बाबत पहले ही समझौते कर चुका है। भारत ने विभिन्न देशों/क्षेत्रों अर्थात् जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान क्षेत्र के देशों और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया के साथ 13 क्षेत्रीय व्यापार समझौते (आरटीए)/मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि जानकारों का कहना है कि व्यापार समझौतों के जरिए आगे बढ़ने के अवसर हैं, लेकिन इसी के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं, जिन्हें समझे जाने की जरूरत है। विशेषज्ञ बताते हैं कि भले ही भारत ने कुछ दक्षिण एशियाई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किये हैं, लेकिन अब चीन उन देशों में अपनी इकाई लगाकर भारत को माल भेज रहा है, जिसे रोके जाने के कूटनीतिक प्रयास करने होंगे। या फिर ऐसे मुक्त व्यापार समझौतों को लेकर भी सजग रहना होगा, अन्यथा भारत के राष्ट्रीय हितों को नुकसान तय है।

बता दें कि अमेरिका द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने से कपड़ा और परिधान, खनिज पेट्रोलियम, कृषि, मांस, प्रसंस्कृत पैकेट, प्लास्टिक सामान, मेडिकल, चमड़ा, कागज, हीरे, सोना, स्वर्ण उत्पाद, स्टील और धातु, मशीन, कम्प्यूटर, रसायन, फार्मा, इलेक्ट्रिक उत्पाद और टेलिकॉम आदि क्षेत्रों पर सर्वाधिक असर पड़ेगा, इसलिए भारत सरकार इनकी वैकल्पिक राह आसान बनाने में जुटी हुई है। उल्लेखनीय है कि दो देशों के बीच होने वाले द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के जरिए व्यापार को सुगम बनाया जाता है। क्योंकि समझौते के बाद दोनों पक्षों के बीच व्यापार करना आसान हो जाता है। इस तरह के समझौते के दृष्टिगत दोनों देश मिलकर अपने कारोबारियों व कम्पनियों को आयात शुल्क मुक्त या फिर एक निर्धारित न्यूनतम शुल्क के जरिए वस्तुओं एवं सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित कराते हैं। इसके साथ ही लॉजिस्टिक, भुगतान गारंटी व व्यापार से जुड़ी अन्य सुविधाएं मिलती हैं।

आंकड़े बताते हैं कि भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए को लेकर साल 2022 से लेकर अबतक 14 दौर की चर्चा संपन्न हो चुकी है, जिसके बाद अब वार्ता में पुन: तेजी दृष्टिगोचर हुई है। वहीं, भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच जल्द ही एफटीए वार्ता को अंतिम रूप देने की तैयारी चल रही है। वहीं भारत और ओमान के बीच सीईपीए को लेकर आधिकारिक तौर पर वार्ता नवंबर 2023 में शुरू हुई थी, जिसके मद्देनजर अब समझौता जल्द करने की तैयारी है और उसे अंतिम रूप देने की कोशिशें परवान चढ़ रही हैं। वहीं भारत और यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार संघ के बीच यानी भारत, आइसलैंड, नार्वे, स्विट्जरलैंड, लिकटेंस्टीन के बीच एक टीईपीए समझौता हुआ है, जिसे और व्यापक बनाने की पहल जारी है। वहीं, भारत और कतर के बीच एफटीए करने की बात चल रही है, जिसके तहत दोनों देश अगले पांच वर्षों में अपने व्यापार को दुगुना यानी 28 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता जता चुके हैं। वहीं, भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए प्रस्तावित है, जिसको लेकर 10 वर्षों बाद फिर से बातचीत शुरू हुई है। क्योंकि दोनों देश अब जल्द से जल्द इस समझौता को पूरे करने के पक्ष में हैं। वहीं, भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता को लेकर बातचीत चल रही है, जिसके तहत वर्ष 2030 तक व्यापार को दुगुना करके 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

दरअसल, उपर्युक्त देशों के साथ चल रही एफटीए, सीईपीए, टीईपीए वार्ता को यदि जल्दी ही लक्षित मुकाम मिल जाता है तो दोनों देशों के बीच आयात कर (टैरिफ) कम किया जाएगा या पूरी तरह से हटा दिया जाएगा, इससे व्यापार सस्ता हो जाएगा। यही नहीं, आयात की सीमाएं यानी कोटा लाइसेंस और तकनीकी नियमों को कम कर वस्तुओं और सेवाओं को सम्बन्धित दूसरे देशों में बेचना आसान हो जाएगा। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच सीमा शुल्क की प्रक्रियाएं आसान हो जाएंगी, कागजी काम कम होंगे और सामान को एक देश से दूसरे देश में ले जाने में समय और लागत दोनों घट जाएगी। इसके अतिरिक्त विदेशी कम्पनियों का पैसा सुरक्षित रहता है और यदि कोई विवाद होता है तो उसे सुलझाने के लिए कानूनी तरीके उपलब्ध होते हैं। वहीं, पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क जैसी चीज़ों को संरक्षण मिलता है, ताकि नए आविष्कार करने वालों और रचनाकारों के अधिकार सुरक्षित रहें। जबकि बैंकिंग, टेलीकॉम और पेशेवर सेवाओं जैसे क्षेत्रों में नियम आसान करके इनका व्यापार बढ़ाया जाता है। सरकार उद्योगों को लॉजिस्टिक सेवाएं भी उपलब्ध कराती हैं, जिससे उनके लिए यह लागत कम हो जाती है। इससे छोटी कम्पनियों और व्यापारियों को भी विदेश में सामान बेचने का मौका मिलता है, जो पहले सिर्फ बड़ी कम्पनियों तक सीमित था। यही वजह है कि सभी सरकारें दिलचस्पी वाले देशों में मुक्त व्यापार समझौतों को बढ़ावा देती हैं और द्विपक्षीय व्यापार समझौते करती हैं। इस प्रकार दुनियावी अर्थव्यवस्था में तेजी से अपनी जगह बनाते जा रहे भारत के व्यापार के लिए विभिन्न दरवाजे स्वत: खुल जाएंगे, जिससे हमारे उद्यमियों को भी ढेर सारे फायदे होंगे।

भौतिक चकाचौंध व सोशल मीडिया से बढ़ रहे रिश्तों के कत्ल

विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की सीख देने वाले भारत जैसे आध्यत्म और शांति की धरा वाले देश में बढ़ती भौतिक विलासिता की चकाचौंध और सोशल मीडिया का जिन्दगी में बढ़ता दखल, पारिवारिक-सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है। संबंधों में तकरार और फिर नृशंस तरीके से हत्या जैसे मामलों ने देश को झकझोर कर रख दिया है। मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपुत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बेंगलुरू में देखने को मिला, वहां के हुलीमावु क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करके उसकी बॉडी को सूटकेस में भर दिया। देश के अलग-अलग शहरों में हो रही ऐसी हत्याओं ने देश की जनता को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। आखिर ये सिलसिला कहां जकर थमेगा? इन घटनाओं ने सोचने-समझने के लिए मजबूर कर दिया है कि आखिर यह देश किस दिशा में जा रहा है।

पिछले कुछ वक्त से देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी पति का कत्ल कर देती है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की रिपोर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। इनमें से 60 फीसदी के करीब कत्ल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किया। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं और लगभग 275 पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारवें मिनट में एक महिला या लड़की का कत्ल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कत्ल उनके घर के अंदर होता है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ एफ्रिकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 फीसदी से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर। ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कत्ल होते हैं, उसकी 58 फीसदी शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा ये भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 फीसदी पुरुषों का भी कत्ल होता है।

अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है। ब्रिटिश मेडिकल जनरल लेनसेट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 60 फीसदी महिलाओं के कत्ल मौजूदा या फिर पूर्व पार्टनर की वजह से होती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में महिलाओं के कत्ल का सबसे ज्यादा खतरा उन्हीं के मौजूदा या पूर्व पार्टनर से ही होता है। जबकि पूर्व या मौजूदा महिला पार्टनर के हाथों पुरुषों के कत्ल का प्रतिशत सिर्फ साढ़े 6 फीसदी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक देश में हर साल कितने पति अपनी पत्नी का या पत्नी अपने पति का कत्ल करती हैं। एनसीआरबी के 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इश्क और रिश्तों में लोग अब जान नहीं देते बल्कि जान लेते हैं। भारत में जिन वजहों से सबसे ज्यादा कत्ल होते हैं। उनमें लव अफेयर और शादी के बाद संबंधों के मामलों में होने वाला कत्ल तीसरे और चौथे नंबर पर आता है। देश में होने वाले हर 10 में से औसतन एक कत्ल किसी ना किसी आशिक-माशूक या पति-पत्नी के हाथ से ही होता है।

आंकडों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कत्ल के मामले सामने आए। ये तमाम कत्ल 19 अलग अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती। परेशान करने वाली बात यह है कि इन 19 वजहों में से तीसरी और चौथी नंबर पर कत्ल की जो वजह बनी वो इश्क, धोखा, फरेब और शादी के बाद के संबंध थे। 28 हजार 522 कत्ल के कुल मामलों में से कुल 2 हजार 821 कत्ल इसी वजह से हुए। ऐसा नहीं है कि इश्क में पहले कत्ल नहीं हुआ करते थे। पहले भी आशिकों ने हाथों में खंजर या तमंचे उठाए हैं। लेकिन 2010 के बाद से पति-पत्नी, इश्क, बेवफाई और अवैध संबंध की वजह से होने वाले कत्ल की तादाद तेजी से बढ़ी। पिछले 15 सालों के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो साफ पता चलता है कि जैसे जैसे सोशल मीडिया का चलन बढ़ा पति पत्नी के रिश्ते, शादी के बाद के संबंध और इश्क और खूनी होता चला गया। आंकड़ों के हिसाब से 2010 से 2014 के दरम्यान लव अफेयर और संबंधों की वजह से होने वाले कत्ल का प्रतिशत 7 से 8 फीसदी था। लेकिन 2015 से 2022 के दरम्यान ये बढ़कर 10 से 11 फीसदी हो गया। ये गिनती लगातार बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक 2022 में देशभर में खुदकुशी के कुल 17 हजार 924 केस दर्ज हुए थे। जिनमें से अकेले शादी से जुड़े मामलों में 8 हजार 204 पति या पत्नी ने खुदकुशी की। जबकि इश्क के चलते 7 हजार 692 प्रेमी जोड़ों में से किसी एक ने खुदकुशी कर ली। इसके अलावा अवैध संबंधों की वजह से भी 855 लोगों ने खुदकुशी की।

एनसीआरबी के अलावा नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के एक आंकड़ें के मुताबिक 4 फीसदी शादीशुदा महिलाओं ने ये माना है कि वो अपने पति को शारिरिक तौर पर चोट पहुंचाती है। इसी तरह स्टडी ऑफ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंस (आईआईपीएस) की एक रिपोर्ट के मुताबिक नौकरीपेशा महिलाएं जो पैसे कमाती हैं और मोबाइल का इस्तेमाल करती हैं

अपने पति से ज्यादा झगड़ती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं की जैसे जैसे उम्र बढती जाती है वो अपने पति से ज्यादा झगडने लगती हैं। जबकि पति के मामले में ये उल्टा है। पति की उम्र जैसे जैस बढ़ती है वो बीवियों से झगड़ा कम करने लगते हैं। आईआईपीएस की ये रिपोर्ट ये भी कहती है कि एकल परिवार में पति पत्नी के बीच हिंसक लड़ाई ज्यादा होती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर एक हजार पति में से 29 पति अपनी पत्नियों की हिंसा का शिकार होते हैं। जबकि एकल परिवार में यही आंकड़ा पत्नियों के लिए हर एक हजार में 32 है। वैसे पति पत्नी से जुड़े दर्ज कत्ल के मामलों के एक आंकड़े के मुताबिक 2022 में देशभर में पत्नी के हाथों पति के 220 कत्ल के मामले सामने आए थे। इसी दौरान पति के हाथों पत्नी के कत्ल के 270 से ज्यादा मामले सामने आए।

अग्निवीर भर्ती की तारीख 25 अप्रैल तक बढ़ी 8वीं-10वीं पास अभ्यर्थी भी कर सकेंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर,रायपुर(निप्र)

गुरुवार 10 अप्रैल तक ही अग्निवीर भर्ती के आवेदन की आखिरी तारीख थी। अब इसे बढ़ा दिया गया है। अब युवा 25 अप्रैल तक आवेदन कर सकेंगे।इंडियन आर्मी जॉइन करने की चाहत रखने वाले युवाओं को एक और मौका मिलने जा रहा है। गुरुवार 10 अप्रैल तक ही अग्निवीर भर्ती के आवेदन की आखिरी तारीख थी। अब इसे बढ़ा दिया गया है। अब युवा 25 अप्रैल तक आवेदन कर सकेंगे। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार अग्निवीरों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की जा चुकी है, जो भारतीय सेना की वेबसाइट 222.joinindianarmy.nicin पर मौजूद है। इसी वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। अग्निवीर की भर्ती जनरल, तकनीकी, क्लर्क, ट्रेडमैन (8वीं और 10वीं), महिला

सैन्य पुलिस और रेगुलर कैडर भर्ती, धर्म गुरू, नर्सिंग सहयोगी और सिपाही फार्मा के पदों के लिए जारी की गई है। कैंडिडेट अग्निवीर के 2 पदों के लिए अपनी योग्यता अनुसार आवेदन कर सकते हैं। अग्निवीर क्लर्क के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन परीक्षा में टाइपिंग टेस्ट भी देना होगा। ऑनलाइन परीक्षा जून 2025 में होने की संभावना है। किसी भी अन्य जानकारी और समस्या के लिए कैंडिडेट सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के टेलिफोन नंबर 0771-2965212/0771-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं। परीक्षा कहां होगी, फिजिकल टेस्ट किस शहर में होगा इसकी जानकारी अलग से जारी की जाएगी, सैन्य अफसरों ने बताया कि फिलहाल ये तय नहीं है। आईटी/साइबर हवलदार के पद पर बैचलर/मास्टर BCA/MCA/B.Tech/B.Sc/M.Sc में न्यूनतम 50% अंक होने चाहिए। वहीं इंफॉर्मेशन ऑपरेशंस के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान, मास कम्युनिकेशन, पत्रकारिता, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, सार्वजनिक प्रशासन, राजनीतिक विज्ञान, सैन्य अध्ययन या रक्षा प्रबंधन में स्नातक/स्नातकोत्तर योग्यता मांगी गई है। जेसीओ कैटरिंग के लिए 12वीं पास अभ्यर्थी फॉर्म अप्लाई कर सकते हैं। उनके पास कुकरी में सर्टिफिकेट/होटल मैनेजमेंट और कैटरिंग टेक्नोलॉजी में पद से संबंधित डिप्लोमा होना चाहिए। जेसीओ धर्म गुरु, पंडित गोरखा, मौलवी पदों पर पद संबंधित विषय की योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी फॉर्म भर सकते हैं। तकनीकी सहायक, स्टोर कीपर, ट्रेड्समैन के लिए पद के अनुसार अभ्यर्थियों का 8वीं, 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण होना चाहिए। योग्यता संबंधित अन्य डिटेल्स अभ्यर्थी आधिकारिक नोटिफिकेशन से चेक कर सकते हैं। अन्य नोटिफिकेशन अभ्यर्थी आर्मी की ऑफिशियल वेबसाइट से चेक कर सकते हैं। अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट/स्टोर कीपर के लिए हाइट 162 सेमी होनी चाहिए। जीडी टेक्निकल/ट्रेडमैन के लिए 169 सेमी। जीडी महिला पदों के लिए हाइट 162 सेमी। अन्य पदों के लिए भी लंबाई अलग-अलग रखी गई है। इस बार 1600 मीटर दौड़ के लिए चार कैटेगरी रखी गई है। अभ्यर्थियों को आधे मिनट का समय ज्यादा मिलेगा। इस भर्ती में आवेदन करने के लिए सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को 250 रुपए आवेदन शुल्क देना होगा। लंबाई- 170 सेमी वजन- आपकी लंबाई के मुताबिक मेडिकल पॉलिसी के अनुसार सीना- 77 सेमी (+5 सेमी) आर्मी स्टाफ, पूर्व कर्मचारी, युद्ध में विधवा हुईं या पूर्व कर्मियों की विधवा के बेटों, वॉर विडो, गोद लिए बेटे या दामाद (अगर अपना कोई बेटा नहीं है) इन्हें हाइट में 2 सेमी, चेस्ट में 1 सेमी और वजन में 2 केजी की छूट मिलेगी। नेशनल, स्टेट, डिस्ट्रिक्ट, स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी लेवल पर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को लंबाई में 2 सेमी, चेस्ट में 3 सेमी और वजन में 5 किलो की छूट मिलेगी। गोरखा, लद्दाख, ट्राइबल क्षेत्रों, अंडमान निकोबार, गार्ड ब्रिगेड, मिलिट्री पुलिस कॉर्प्स समेत अन्य कैटेगरी में अभ्यर्थी की लंबाई 155 सेमी से 173 के बीच अलग-अलग है। डिटेल नोटिफिकेशन में देखें।

गेवरा खदान पहुंचे कोयला मंत्री, खनन कार्यों का लिया जायजा

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कोरबा.केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री जी किशन रेड्डी आज अपने पहले दौरे के तहत कोरबा जिले के गेवरा पहुंचे। हेलीपैड पर उनका स्वागत किया गया, इसके बाद वे अपने काफिले के साथ गेवरा माइंस के विभिन्न व्यू प्वाइंट्स पर गए, जहां उन्होंने खदानों की स्थिति का निरीक्षण किया। खदानों में उत्पादन और अन्य गतिविधियों का जायजा लेने के बाद, कोयला मंत्री ने एसईसीएल प्रबंधन के साथ बैठक की और विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। कोयला मंत्री रेड्डी ने खदान में काम करने वाले शोवेल ऑपरेटर, डंपर ऑपरेटर और अन्य कामकाजी कर्मचारियों से बातचीत की और उनके साथ केबिन में बैठकर मशीनों का संचालन भी देखा। इस दौरान उन्होंने सस्टेनेबल माइनिंग पर भी जोर दिया और सर्फेस माइनर के ऑपरेशन का निरीक्षण किया। कोयला मंत्री के दौरे के दौरान भू विस्थापितों और रोजगार विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन की योजना बनाई थी। प्रदर्शनकारी काले झंडे दिखाकर "गो बैक" के नारे लगाने का आह्वान कर रहे थे, लेकिन इससे पहले पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। लगभग 20-25 प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने पकड़कर एसईसीएल के सीनियर रिक्रिएशन क्लब में रखा। छत्तीसगढ़ किसान सभा और भूविस्थापित रोजगार एकता संघ के नेतृत्व में यह आंदोलन लंबे समय से जारी है। किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने कहा कि भू विस्थापितों के रोजगार और पुनर्वास की मांग को लेकर इस क्षेत्र में 1255 दिन से अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी भू विस्थापितों की समस्या को लेकर चर्चा के लिए समय मांगा जाता है, तो एसईसीएल के अधिकारियों द्वारा कोई समय नहीं दिया जाता है। कोयला मंत्री के दौरे के दौरान यह मुद्दा भी सामने आया कि पिछले दो वर्षों से इस क्षेत्र में कोयला उत्पादन बाधित हो रहा है और उत्पादन लक्ष्य पूरा नहीं हो पा रहा है। भू विस्थापितों का कहना है कि जब तक उनके रोजगार और पुनर्वास के मुद्दे का समाधान नहीं होगा, वे कोयला उत्पादन के लक्ष्य को पूरा नहीं होने देंगे।

2 बच्चों की मां को दिल दे बैठा युवक

परिवार को छोड़कर थाने पहुंचे प्रेमी-प्रेमिका ने कहा शादी करवा दो

ऑडीटर ऑडीटर
Mediaauditor.in

कोरबा छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक शादीशुदा युवक दो बच्चों की मां को दिल दे बैठा। सोशल मीडिया पर दोनों की दोस्ती हुई, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। अब दोनों अपने बच्चे और परिवार को छोड़कर एक साथ रहना चाहते हैं। गुरुवार को प्रेमी प्रेमिका मानिकपुरी चौकी पहुंचे। चौकी प्रभारी से कहा कि हमारी शादी करवा दो। बताया जा रहा है कि महिला ने 4 साल पहले लव मैरिज की थी। अब दूसरी शादी की जिद कर रही है। जिल्गा बरपाली क्षेत्र की रहने वाली 27 साल की शादीशुदा महिला को उत्तरप्रदेश के रहने वाले युवक (28 साल) से प्यार हो गया। महिला दो बच्चों की मां है और युवक भी शादीशुदा है उसके भी दो बच्चे है। महिला के पति ने मानिकपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई तो ये दोनों भी थाने पहुंचे गए। अब दोनों एक दूसरे के साथ रहने के लिए अपने वर्तमान परिवार को छोड़ने के लिए तैयार है। दोनों एक-दूसरे से शादी करना चाहते हैं। महिला के मुताबिक, दोनों की मुलाकात 1 साल पहले सोशल मीडिया पर हुई। महिला ने ये भी बताया कि उसे अपने पति बच्चे से कोई प्रॉब्लम नहीं है फिर भी वह दूसरी शादी करना चाहती है। मिली जानकारी के मुताबिक, महिला ने 4 साल

पहले कोरबा के रहने वाले युवक से लव मैरिज की थी। अब 1 साल से उसका अफेयर यूपी के युवक से चल रहा था। युवक व्यवसाय करता है और कोरबा में ही किराए के मकान में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। महिला के पति ने उससे पूछा कि क्या मैं प्रताड़ित करता हूं या शराब पीकर परेशान करता हूं? महिला ने इन सभी बातों से इनकार किया लेकिन दूसरे युवक से शादी करने की जिद पर अड़ी रही। वहीं युवक की पत्नी को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। मानिकपुर चौकी प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि महिला के पति की शिकायत पर धारा 155 के तहत कार्रवाई की गई है। चौकी में भी दोनों ने एक-दूसरे के साथ रहने की जिद नहीं छोड़ी। महिला के पति ने काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन दोनों अपने फैसले पर अडिग रहे।

साथियों से बात करनी है, गृहमंत्री बोले-

बंदूक का जवाब बंदूक से मिलेगा....

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

जगदलपुर.छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलियों ने सप्ताहभर के अंदर दूसरी बार शांतिवार्ता के लिए सरकार के सामने अपनी बात रखी है। नक्सली लीडर रूपेश ने पर्चा जारी कर कहा कि हम पूर्ण युद्धविराम कर देंगे, लेकिन सरकार साथ दे। सरकार की तरफ से सकारात्मक संकेत मिलते ही पूर्ण युद्धविराम कर देंगे। हमें अपने नेतृत्वकर्ता के साथ बैठकर इस विषय में बातें करनी हैं। इसके बिना वार्ता करना संभव नहीं है। वहीं गृहमंत्री शर्मा ने कहा कि, नक्सली वार्ता करना चाहते हैं तो हम तैयार हैं, लेकिन बंदूक का जवाब चर्चा से नहीं बंदूक से होता है।

बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद खत्म कर देंगे। शाह की डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं। 2025 में अब तक 142 नक्सली मारे गए हैं।इससे पहले भी रखी थी शांतिवार्ता की बात इससे पहले सेंट्रल कमेटी ने पर्चा जारी कर स्वीकार किया था कि पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रुकती है, तो हम शांतिवार्ता के लिए तैयार हैं। इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि वे शांतिवार्ता के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके लिए कोई शर्त न हो। 8 अप्रैल को नक्सली लीडर ने पर्चा जारी कर कहा कि हमारा कोई भी बड़ा लीडर डर की वजह से बस्तर या फिर युद्ध का मैदान छोड़कर पड़ोसी राज्य नहीं भागा है। संगठन के कामों के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य आना-जाना करते हैं। पुलिस के लिए कहा कि जनता और नक्सल कैडर के लोग उनके अपने हैं। उन पर गोली न चलाएं। नक्सलियों के उत्तर-पश्चिम सब जोनल ब्यूरो के प्रभारी रूपेश ने ये पर्चा जारी किया है। पर्चे में लिखा है कि केंद्रीय कमेटी की तरफ से कुछ दिन पहले भी शांतिवार्ता के लिए अनुकूल माहौल बनाने कहा गया था। जिस पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रतिक्रिया दी और अनुकूल माहौल बनाने की मांग को उन्होंने इनकार कर दिया।

सभी जानते हैं कि अनुकूल माहौल के बिना वार्ता संभव नहीं होगी। फिर इसका यह मतलब है कि सरकार ने जो भी तरीका अपनाया है उसे ही जारी रखना चाहती है। रूपेश ने कहा है शांतिवार्ता की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने संबंधित निर्णय लेने के लिए हम कुछ नेतृत्वकारी साथियों से मिलना चाहते हैं।

अभय ने भी की थी अपील

करीब सप्ताहभर पहले नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी के सदस्य अभय ने भी एक पर्चा जारी किया था। अभय ने कहा था कि पिछले 15 महीने में उनके करीब 400 साथी मारे गए हैं। शांतिवार्ता के लिए अभय ने भी सरकार के सामने बात रखी थी और शांतिवार्ता के लिए अनुकूल माहौल बनाने को कहा था।

संगठन के लिए भी दिया मैसेज

नक्सली लीडर ने अपने कमेटी के कमांडरों से कहा है कि शांतिवार्ता के लिए अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में हमारी गतिविधियां रहनी चाहिए। यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि सरकार अभी तक हमारी मांग को नहीं मानी है। इसलिए सभी नियम और सावधानियां सतर्कता के साथ पालन करें। हम शिकार न बनें। पर्चे में लिखा है कि सरकार की तरफ से सकारात्मक संकेत मिलते ही पूर्ण युद्ध विराम करेंगे। सरकार के रुख पर आधारित होकर हम और स्पष्टता के साथ अपना बयान देंगे।

स्कूल-अस्पताल का विरोध नहीं

नक्सली संगठन को विकास विरोधी के रूप में बताया जा रहा है। हम स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी, राशन दुकान, पेयजल, बिजली का विरोध नहीं करते हैं। सुचारू रूप से संचालन करने की मांग किए थे। कर्मचारियों से बार-बार अपील किए थे, प्रत्यक्ष रूप से मिलकर बात किए थे, अभी भी बात कर रहे हैं।

अमृतधारा जलप्रपात में नहाना और सेल्फी लेने पर लगा बैन

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्थित अमृतधारा जलप्रपात में बार-बार हो रहे हादसों के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। सब डिविजनल मजिस्ट्रेट लिंगराज सिदार ने जलप्रपात के निचले हिस्से और खाई से लगे ऊपरी हिस्से को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है। प्रशासन के आदेश के मुताबिक, प्रतिबंधित क्षेत्रों में किसी भी तरह का आवागमन नहीं होगा। सेल्फी लेना और नहाना पूरी तरह से मना है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि हाल ही में पिकनिक मनाने गए 2 SECL अधिकारियों की डूबने से मौत हो गई थी। 8 अप्रैल को 8 दोस्त पिकनिक मनाने गए थे तभी नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से 2 लोगों डूब गए थे।नेशनल हाईवे 43 से केवल 10 किलोमीटर दूर स्थित यह जलप्रपात अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर है। देश भर से पर्यटक यहां आते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में यहां कई हादसे हुए हैं। कई पर्यटकों की झरने में नहाने के दौरान डूबने से मौत हुई है कई केस ऐसे भी आए है जहां सेल्फी लेने के दौरान भी गिरने की घटना हुई है। यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा। प्रशासन ने पर्यटकों से अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करने की अपील की है।

भाजपा के 9 सदस्यों को बहुमत

सभापतियों का चुनाव 15 को

ऑडीटर ऑडीटर
Mediaauditor.in

बिलासपुर. जिला पंचायत की स्थायी समितियों और सभापतियों का चुनाव 15 अप्रैल को होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने बताया कि 17 सदस्यीय जिला पंचायत में भाजपा के पास 9 सदस्यों का बहुमत है। इससे सभी 7 समितियों में भाजपा के सभापति का चुना जाना तय माना जा रहा है। चुनाव के लिए सदस्यों की बैठक 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे जिला पंचायत के सभा कक्ष में होगी। चुनाव प्रक्रिया के लिए अपर कलेक्टर शिव कुमार बनर्जी को पीठासीन अधिकारी बनाया गया है। तहसीलदार मुकेश देवांगन और नायब तहसीलदार राहुल शर्मा

को सहायक पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है। जनपद पंचायत स्तर पर भी चुनाव होंगे। कोटा और बिल्हा में 16 अप्रैल को चुनाव होंगे। कोटा में एस.एस. दुबे पीठासीन अधिकारी होंगे। बिल्हा में बजरंग सिंह वर्मा पीठासीन अधिकारी की भूमिका निभाएंगे।तखतपुर में 22 अप्रैल को चुनाव होगा, जहां शिवकुमार कंवर पीठासीन अधिकारी होंगे। सभी जगह चुनाव सुबह 11 बजे से शुरू होंगे।

नेता प्रतिपक्ष के बिना पहली सामान्य सभा 15 को 1089 करोड़ का बजट होगा पेश

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर में नगर निगम की सामान्य सभा की पहली बैठक 15 अप्रैल को देवकीनंदन दीक्षित सभा गृह में होगी। इसमें निगम का बजट पेश किया जाएगा। जिसमें कांग्रेस के पार्षद बिना नेता प्रतिपक्ष के इस बैठक में शामिल होंगे। नेता प्रतिपक्ष बनाने के सवाल पर कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी ने कहा कि 18 पार्षद सामूहिक रूप से सामान्य सभा में मुकाबला करेंगे और जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाएंगे। वहीं, भाजपा ने कहा कि कांग्रेस की गुटबाजी और आपसी कलह के चलते नेता प्रतिपक्ष तय नहीं हो सका है। बता दें कि सामान्य सभा की बैठक के पहले एक घंटे का प्रश्नकाल होगा। इसके लिए

पार्षद 10 अप्रैल तक दो-दो प्रश्न विकास भवन में जमा कर सकेंगे। 11 अप्रैल को लॉटरी से प्रश्न निकाले जाएंगे। सामान्य सभा के दिन शुरू का एक घंटा प्रश्नकाल के लिए रिजर्व होगा। जिसमें एमआईसी मेंबर पार्षदों के सवालों का जवाब देंगे। इसके बाद सदन की कार्रवाई शुरू होगी। सामान्य सभा में 9 एजेंडों पर चर्चा होगी, जिसके बाद बहुमत से सभी प्रस्ताव पास किए जाएंगे। इसके बाद बजट पास किया जाएगा। इस बार नगर निगम का बजट 1089 करोड़ रुपए का प्रस्तावित है, जो पिछले साल की तुलना में 38 करोड़ रुपए अधिक है। बजट में इस बार एजुकेशन हब विकसित करने की योजना को विशेष स्थान दिया गया है। साथ ही शहर में जल संकट से निपटने के लिए दीर्घकालीन रणनीति पर भी जोर रहेगा। बता दें कि एमआईसी की बैठक में बजट पर चर्चा हो चुकी है, जिसे एमआईसी ने पास कर दिया है। आउटर के वार्ड बहतराई, खमतराई, बिजौर, लिंगियाडीह, कोनी, सकरी में पेयजल प्रबंधन के लिए 28 करोड़ 17 लाख 22 हजार की मंजूरी मिली है। इसका टेंडर किया गया है। इस पर चर्चा होगी। इसके साथ ही पेयजल के लिए एचडीआई पाइप की जगह पर डीआई पाइप बिछाने के संबंध में रखे गए एजेंडों पर भी चर्चा की जाएगी। चिंगराजपारा में बन रहे व्यवसायिक परिसर के साथ ही अलग-अलग जगहों पर सड़क निर्माण के संबंध में चर्चा कर अन्य एजेंडों पर बात की जाएगी। सामान्य सभा की कार्रवाई के बाद मेयर पूजा विधानी 1089 करोड़ का बजट पेश करेंगी। इसमें नालंदा परिसर, वार्डों में पिंक टॉयलेट, स्कूलों में सेनेटरी पैड, फ्री वाई-फाई को लेकर प्रावधान किया जाएगा। नगर निगम के चुनाव में इस बार 70 वार्डों में केवल 18 पार्षद कांग्रेस पार्टी के जीतकर आए हैं। वहीं 49 भाजपा के और 3 निर्दलीय हैं। चुनाव के बाद भाजपा ने जहां सभापति और एमआईसी का गठन कर दिया, तो वहीं चुनाव परिणाम आने के 48 दिन बाद भी कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष का नाम तय नहीं कर पाई है। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस पार्षदों के बीच वरिष्ठता और अनुभव को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है, जिसके कारण नाम तय नहीं हो सका है। यदि जल्द ही नेता प्रतिपक्ष की घोषणा नहीं की गई, तो कांग्रेस की उपस्थिति सामान्य सभा में कमजोर मानी जा सकती है। कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी ने कहा कि संविधान में नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष बनाने का प्रावधान नहीं है। पार्टी के 18 पार्षद जीत कर आए हैं। शहर विकास और जनहित के मुद्दों को लेकर नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति की जाएगी।

संभाग के 780 तीर्थयात्री हुए रवाना, ज्योर्तिलिंगों के करेंगे दर्शन

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सरगुजा.मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत प्रदेश की दूसरी और सरगुजा संभाग की पहली ट्रेन को अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से समारोह पूर्वक रवाना किया गया। महिला एवं बाल विकासमंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने हरी झंडी दिखाकर स्पेशल ट्रेन को रवाना किया है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में संभाग के 780 तीर्थयात्री रवाना हुए हैं, जो उज्जैन में महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर की यात्रा करेंगे। रमन सरकार में शुरू की गई तीर्थ दर्शन योजना को प्रदेश में सत्ता बदलने के बाद भूपेश सरकार ने बंद कर दिया था। विष्णुदेव साय सरकार ने सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के बाद इस योजना को फिर से शुरू की है। योजना की पहली ट्रेन

रायपुर से रवाना हुई थी। सरगुजा से रवाना हुई दूसरी ट्रेन में जशपुर जिले को छोड़कर संभाग के शेष चार जिलों से 780 यात्री रवाना हुए हैं। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन पहुंचे तीर्थयात्रियों का स्टेशन पर स्वागत किया गया। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, महापौर मंजूषा भगत ने ट्रेन में सवार तीर्थयात्रियों को तिलक लगाकर उन्हें तीर्थयात्रा की शुभकामनाएं दीं। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि पूर्व में यह योजना भाजपा सरकार ने शुरू की थी। कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में योजना बंद कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने योजना को फिर से शुरू किया है। इसके जरिए वृद्धजन तीर्थ दर्शन कर सकेंगे। यह वृद्धजनों के लिए बड़ी सौगात है। लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि योजना के तहत अन्य स्थानों से भी वृद्धजन तीर्थ दर्शन के लिए जाएंगे।

ग्राम मदगुरी निवासी प्रेमशंकर सोनी ने कहा कि उन्होंने जीवन में नहीं सोचा था कि तीर्थ यात्रा में जा सकेंगे, लेकिन मुख्यमंत्री ने जो कार्य किया है, वह श्रवण कुमार के कार्य के समान है। कुसमी के मदन तिवारी ने कहा कि यह उनकी यात्रा है। सभी तरह की व्यवस्थाएं की गई है। रामलला दर्शन योजना के लिए भी फार्म भरा था, लेकिन उसमें नाम नहीं आया। सीतापुर के अनिल सोनी ने कहा कि हम खुश हैं कि हमें तीर्थ दर्शन योजना के तहत महाकाल और ओंकारेश्वर के दर्शन का मौका मिल रहा है। अंबिकापुर निवासी राजकुमार ने कहा कि श्रवण कुमार की तरह मुख्यमंत्री हमें तीर्थ दर्शन पर लेकर जा रहे हैं। उनका आभार। उज्जैन और ओंकारेश्वर के लिए रवाना हुई ट्रेन में सरगुजा जिले के 206, सूरजपुर जिले के 273, बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 98, कोरिया जिले के 113, एमसीबी जिले के 90 श्रद्धालु शामिल हैं।

इसमें जशपुर जिले के यात्री शामिल नहीं हैं। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से अंबिकापुर और बलरामपुर जिले के तीर्थयात्री रवाना हुए।

हाईकोर्ट ने JE डिपार्टमेंटल एग्जाम मे बोनस अंक देने का किया आदेश

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर. छत्तीसगढ़ स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी की साल 2022 में आयोजित जूनियर इंजीनियर विभागीय परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर दायर याचिका को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। जस्टिस एके प्रसाद की सिंगल बेंच ने त्रुटिपूर्ण सवालों के लिए बोनस अंक देने और तीन माह के भीतर योग्य उम्मीदवारों को नियुक्ति देने का आदेश दिया है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी/विद्युत वितरण कंपनी ने इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और सिविल शाखाओं में जूनियर इंजीनियरों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया था। योग्य उम्मीदवारों से इसके लिए

आवेदन मंगाए गए थे। 10 अप्रैल 2022 को आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में कोरबा संभाग के लाइन परिचारक सहित अन्य याचिकाकर्ता भी शामिल हुए। लेकिन, जब परिणाम आया तब याचिकाकर्ताओं को अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। परीक्षा में कुल 100 प्रश्न थे, जिन्हें हल करने के लिए 2 घंटे का समय तय था। गलत उत्तर पर 0.25 अंक काटने का प्रावधान था। इसमें सामान्य और ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अर्हता अंक 40% और SC/ST वर्ग के लिए 30% निर्धारित थे। परीक्षा में प्रश्नपत्रों में 10 प्रश्नों के उत्तर के लिए 5 विकल्प थे। लेकिन अभ्यर्थियों को उनके उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराए गए ओएमआर शीट में केवल चार विकल्पों का उल्लेख था। 5वां विकल्प ओएमआर शीट में नहीं था। याचिकाकर्ताओं को 33.50 अंक मिले और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। परीक्षा के प्रश्न पत्र में 9 प्रश्नों में पांच विकल्प दिए गए थे। लेकिन, उत्तर पुस्तिका में केवल चार विकल्प ए, बी, सी, डी ही थे। विकल्प "ई" नहीं था। इस कारण परीक्षा देने वाले दिनेश कुमार चंद्रा ने इन प्रश्नों के उत्तर नहीं दिए।

मुख्यमंत्री ने माण्डू का पुरातात्विक वैभव देखा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को माण्डू में रात्रि विश्राम के बाद गुरूवार सुबह माण्डू के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक वैभव को देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जहाज महल और हिंडोला महल का भ्रमण किया। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें इन ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विगत रात्रि माण्डू में लाइट एंड साउंड शो के ज़रिए यहां के इतिहास को देखा। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, विधायक धरमपुरी श्री कालूसिंह ठाकुर तथा अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माण्डू में खुरासानी कोठी परिसर में लगे खुरासानी इमली के प्राचीन वृक्ष को देखा। कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्र ने बताया कि माण्डू में खुरासानी के वृक्ष पाए जाते हैं, जिनमें से कुछ 500 वर्ष से भी अधिक प्राचीन हैं। खुरासानी कोठी परिसर के इस वृक्ष का तना 10.85 मीटर व्यास का है। खुरासानी इमली घना छायादार

पेड़ होता है। यह पेड़ अपने भीतर सवा लाख लीटर पानी जमा करके रख सकता है। उल्लेखनीय है कि 14वीं शताब्दी में ये पेड़ लगाए गए थे। कई पेड़ यहां पांच-छ: सौ साल पुराने हैं। पर्यटक माण्डू आने की स्मृति के तौर पर माण्डू की इमली खरीदकर ले जाते हैं। कई आदिवासी परिवारों को इसे बेचने से आय हो रही है। मूलत: यह वृक्ष अफ्रीका, अरब और मेडागास्कर पर पाया जाता है। ये पेड़ अति विशाल हैं, इसकी उम्र हज़ारों साल होती हैं। मराठीभाषी क्षेत्रों में इसे गोरखचिंच (चिंच याने इमली) कहकर सन्त गोरखनाथ से इसका पवित्र सम्बन्ध जोड़ा जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों के साथ धरमपुरी में नर्मदा दर्शन कर पूजन किया। धरमपुरी नर्मदा नदी के किनारे बसा हुआ नगर है। यहाँ नर्मदा नदी की दो धाराओं के बीच बेंट नामक एक टापू स्थित है, जहां श्री बिल्वामृतेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर स्थित है। मुख्यमंत्री ने यहां भगवान शिव का अभिषेक किया।

बिहार-यूपी में बिजली गिरने से 28 लोगों की मौत

जयपुर, लखनऊ (एजेंसी)। भीषण गर्म के बीच देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में मौसम बदला है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश में बुधवार शाम से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग ने 20 से ज्यादा राज्यों में गुरुवार को आंधी-तूफान और बारिश की संभावना जताई है। लखनऊ, कानपुर समेत यूपी के 25 जिलों में बारिश जारी है। यहां बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में फतेहपुर के 2 बच्चे, फिरोजाबाद की एक महिला और सीतापुर का एक किसान शामिल है। वहीं, बिहार में बीते 24 घंटे में आकाशीय बिजली गिरने से 22 की मौत हुई हैं। आज 32 जिलों में यलो अलर्ट है। आईएमडी के मुताबिक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में हीटवेव की संभावना है। हालांकि, पश्चिमी विक्षोभ के चलते राजस्थान के 16 जिलों में बारिश के आसार हैं। स्क्क में भी लू के बीच बुधवार को ओले गिरे और हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने उज्जैन-ग्वालियर संभाग में लू चलने का अलर्ट जारी किया है, जबकि 17 जिलों में बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली में लैंडिंग के बाद पायलट की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरलाइन के मुताबिक, लैंडिंग के बाद पायलट को परेशानी होना शुरू हो गई थी, थोड़ी देर बाद वह बेहोश होकर गिर गया। पायलट को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट की मंगलवार (9 अप्रैल) को दिल्ली में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। यह घटना इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुई, जब पायलट श्रीनगर-दिल्ली फ्लाइट की लैंडिंग के बाद एयरपोर्ट में अन्य फॉर्मेलिटीज कर रहा था। एयरलाइन के मुताबिक, लैंडिंग के बाद पायलट को परेशानी होना शुरू हो गई थी, थोड़ी देर बाद वह बेहोश होकर गिर गया। पायलट को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पायलट का नाम अरमान है। अरमान की उम्र 28 साल थी और हाल ही में उसकी शादी हुई थी। साथी कर्मचारियों ने बताया कि लैंडिंग के बाद पायलट ने कॉकपिट में उल्टी की थी और फिर एयरलाइन के डिस्पैच ऑफिस में कार्डियक अरेस्ट से उसकी मौत हो गई। हालांकि, अभी तक कार्डियक अरेस्ट की वजहों का पता नहीं लग पाया है, कई बार विमान में एयर टर्बुलेंस की वजह से भी हार्ट अटैक होने की संभावना रहती है। पायलट के शव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इसका पता लग पाएगा।

दिल्ली सीएम बोलीं- मोदी संत है

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक संत हैं और गृह मंत्री अमित शाह का व्यक्तित्व साहसी है। मैं उनके जैसा बनना चाहती हूं। दिए इंटरव्यू में सीएम ने कहा कि मैं मोदी जी को संत मानती हैं। कुछ संत भगवान की सेवा में समर्पित हो जाते हैं। मोदी जी देश सेवा को ही अपनी पूजा मानते हैं। हमारी पार्टी में ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने अपने-अपने तरीके से देश सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। नितिन गडकरी और अमित शाह भी उनमें से एक हैं। उन्होंने कहा- शाह में कठिन फैसले लेने और लागू करने की क्षमता है, फिर चाहे वे कितने ही मुश्किल हों।

मणिपुर में विवादित जगह पर सामुदायिक झंडा फहराने से तनाव

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में दो जनजातियों के बीच हुए विवाद की वजह से बुधवार को 17 अप्रैल तक कर्फ्यू लगाया गया। जोमी और हमार जनजाति के बीच मंगलवार को विवादित जगह पर अपने-अपने समुदाय के झंडे फहराने को लेकर तनाव पैदा हो गया था। यह विवादित जगह वी मुनहोइह और रेंगकाई गांवों के बीच है। वी मुनहोइह और रेंगकाई के साथ ही कांगवाई, समुलामलान और संगाइकोट में भी कर्फ्यू लगाया गया है। हालांकि, इन इलाकों में सुबह 6 बजे से 5 बजे शाम तक कर्फ्यू में छूट दी गई है।

मुंबई हमले का दोषी तहव्वुर राणा भारत लाया गया

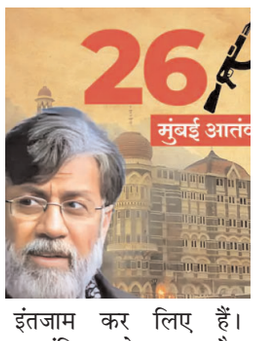

नई दिल्ली। 2008 मुंबई आतंकी हमलों के दोषी तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत ला रहा विमान दिल्ली में लैंड कर गया है। अमेरिकी गल्फस्ट्रीम जी 550 विमान दिल्ली के पालम टेक्निकल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ है। यहां से राणा को सीधे नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी हेडक्वार्टर ले जाया जाएगा। एनआईए हेडक्वार्टर के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राणा को दिल्ली की तिहाड़ जेल में हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा। जेल प्रशासन ने इसके लिए जरूरी

इंतजाम कर लिए हैं। हालांकि, उसे कब और किस वार्ड में रखा जाएगा, इसका अंतिम फैसला कोर्ट के आदेश के बाद ही लिया जाएगा। जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी आरएडब्ल्यू की एक जॉइंट टीम राणा को लेकर बुधवार को अमेरिका से रवाना हुई थी। राणा को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया जा सकता है। पेशी से पहले उसका मेडिकल टेस्ट किया जाएगा। एनआईए ने कहा राणा को सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित किया गया एनआईए ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को सजा दिलाने के लिए कई सालों तक लगातार कोशिशें करने के बाद गुरुवार को सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कर लिया गया।

भारत-अमेरिका।

एमएनएस अध्यक्ष राज ठाकरे की बैंक एसोसिएशन को चिट्ठी

मुंबई। राज ठाकरे ने 30 मार्च को गुड़ी पड़वा रैली में मराठी को अनिवार्य बनाने की मांग की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि जो लोग जानबूझकर मराठी नहीं बोलते उन्हें थप्पड़ मारा जाएगा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अध्यक्ष राज ठाकरे ने शीर्ष बैंक निकाय इंडियन बैंक्स एसोसिएशन को चिट्ठी लिखकर कहा है कि वह बैंकों को मराठी में काम करने निर्देश का दें। ऐसा न करने पर उनकी पार्टी अपना आंदोलन तेज करेगी। एमएनएस नेताओं ने 9 अप्रैल को आईबीए अधिकारियों को यह चिट्ठी सौंपी। ठाकरे ने यह भी लिखा कि अगर बैंक अपनी सेवाओं में तीन भाषा

फार्मूले (अंग्रेजी, हिंदी और स्थानीय भाषा यानी मराठी) का पालन नहीं करते तो हालात बिगड़ने पर बैंक खुद जिम्मेदार होंगे।

चिट्ठी में में कहा गया है कि

बंगाल में नए वक्फ कानून पर हिंसा, 22 गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में प्रदर्शनकारियों ने 8 अप्रैल को वक्फ कानून के विरोध में कई वाहनों को आग लगा दी थी। वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 8 अप्रैल को हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 8 आरोपियों को आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। जंगीपुर के पुलिस अधीक्षक आनंद रॉय ने बताया कि हिंसा को लेकर पुलिस ने अपने आप संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। उन्होंने बुधवार को इलाके का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। दरअसल, प्रदर्शनकारियों ने 8 अप्रैल को वक्फ कानून के विरोध में कई वाहनों को आग लगा दी थी। इसमें पुलिस की गाड़ियां भी शामिल थी। झड़प में प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया, जिससे कई पुलिसकर्मी

घायल हो गए थे। वक्फ संशोधन बिल को पास होने के बाद से अबतक सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट की 3 जजों की बेंच 10 याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगी। बेंच में सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और केवी विश्वनाथन शामिल होंगे।

पश्चिम बंगाल में नौकरी गंवाने वाले शिक्षक भूख हड़ताल पर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ ने गुरुवार को उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में भूख हड़ताल करने का ऐलान किया। टीचर्स बुधवार रात से ही पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहें है। इससे पहले टीचर्स ने डिस्ट्रिक्ट इंसपेक्टर (डीआई) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। जहां प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठीचार्ज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया था। इधर, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 8 अप्रैल को 25 हजार 753

टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति रद्द करने के मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी। इसमें उन्होंने राष्ट्रपति से मांग की है कि जो लोग निर्दोष हैं, उन्हें नौकरी में बने रहने देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले में 8 अप्रैल को सुनवाई

केरल में पीओसीएसओ केसों की जांच अब स्पेशल पुलिस करेगी

तिरुवनंतपुरम। केरल में बच्चों से यौन अपराध के मामलों की जांच अब पुलिस की एक खास टीम करेगी। बुधवार को केरल सरकार की कैबिनेट ने इसके लिए एक डेडिकेटेड विंग बनाने की मंजूरी दे दी। इस स्पेशल यूनिट में कुल 304 नए पद तैयार होंगे। इनमें 4 डिप्टी एसपी और 40 सब-इंस्पेक्टर शामिल हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, ये टीम सिर्फ पीओसीएसओ एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच करेगी। सरकार का मकसद इन मामलों में तेजी से और सही जांच करना है, ताकि पीड़ितों को जल्दी न्याय मिले। 2025-26 के लिए शराब नीति को मंजूरी- कैबिनेट ने अगले साल के लिए ड्राफ्ट लिकर पॉलिसी भी पास कर दी है। इसके तहत अब नियमों के बदलाव से जुड़ी सुझावों पर विचार किया जाएगा। जैसे कितनी दुकानें खुलेंगी, समय क्या होगा और अन्य जरूरी नियम अब सरकार बेहद गरीब और भूमिहीन लोगों को घर-जमीन देगी- कई सरकारी विभागों की खाली पड़ी जमीन और इमारतों का अब इस्तेमाल जरूरतमंद लोगों के लिए किया जाएगा। सुनामी राहत योजना के तहत जो फ्लैट खाली हैं

उन्हें भी इन लोगों

छात्रा से इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला-रेप के लिए तुम ही जिम्मेदार

प्रयागराज (एजेंसी)। 'यदि पीड़ित के आरोपों को सही मान भी लिया जाए, तो इस नतीजे पर पहुंचा जा सकता है कि उसने खुद ही मुसीबत को न्योता दिया था। वह रेप के लिए खुद ही जिम्मेदार भी है। मेडिकल जांच में हाइमन टूटा हुआ पाया गया था, लेकिन डॉक्टर ने यौन हिंसा की बात नहीं की।' ये टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार सिंह ने की। गुरुवार को कोर्ट ने रेप के आरोपी को जमानत देते हुए कहा, सेक्स दोनों की सहमति से हुआ था। रेप का यह मामला सितंबर 2024 का है। गौतमबुद्धनगर की एक यूनिवर्सिटी में एमए की छात्रा ने 1 सितंबर 2024 को थाना सेक्टर 126 में रेप का केस दर्ज कराया था। छात्रा ने अपनी शिकायत में लिखा था कि वह नोएडा के सेक्टर 126 स्थित एक पीजी हॉस्टल (पेइंग गेस्ट) में रहकर पढ़ाई करती है। 21 सितंबर 2024 को वह अपनी दोस्तों के साथ दिल्ली घूमने गई थी।

जयपुर के गुनहगारों ने गुजरात में भी किए थे ब्लास्ट

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में 17 साल पहले हुए सीरियल बम धमाकों के दौरान जिंदा बम मिलने के मामले में दोषी चार आतंकियों को मंगलवार को स्पेशल कोर्ट ने उम्रकैद सुनाई। इनमें सैफुर्रहमान, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद शामिल हैं। वहीं मंगलवार को ही तेलंगाना हाईकोर्ट ने 2013 में हैदराबाद बम ब्लास्ट मामले में इंडियन

मोहम्मद सरवर आजमी | शाहबाज अहमद | सैफुर्रहमान | मोहम्मद सैफ

मुजाहिदीन के यासीन भटकल सहित 5 आतंकियों की फांसी की सजा को बरकरार रखा। यासीन भटकल व उसके सहयोगी जयपुर बम ब्लास्ट केस में भी आरोपी हैं। जयपुर जिंदा बम मामले में कोर्ट ने 598 पेज का फैसला सुनाया। भास्कर ने एक्सपट्?र्स से बात कर समझने की कोशिश की कि दोषियों को उम्रकैद ही क्यों सुनाई? फैसले में केस से जुड़ी कई हैरान कर देने वाली बातें सामने आईं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- पैक्ड फूड पर वार्निंग लेबल दिया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोर्ट ने कहा- लेबलिंग से लोग यह जान सकेंगे कि प्रोडक्ट में कितना शुगर, नमक या हानिकारक फैट है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर पैक्ड फूड पर चेतावनी वाली लेबलिंग को लेकर नए नियम बनाए। कोर्ट ने ये आदेश एक पीआईएल पर सुनवाई के दौरान दिया। इसमें मांग की गई थी कि हर पैक्ड खाने की चीज पर फ्रंट पर साफ

चेतावनी दी जाए। इससे लोग यह जान सकें कि उस चीज में कितना शुगर, नमक या हानिकारक फैट है। केंद्र ने कहा- एक्सपर्ट कमेटी सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी केंद्र सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि 14 हजार से ज्यादा सुझाव और रिपोर्ट्स इस मुद्दे पर आ चुकी हैं।

दामाद संग भागी सास, बेटी की तबीयत बिगड़ी

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ में बेटी की शादी से पहले 38 साल की सास को लेकर 25 साल का दामाद भाग गया। छह महीने पहले महिला की बेटी का रिश्ता तय हुआ था। तभी सास ने दामाद को मोबाइल गिफ्ट किया था। दोनों में बात होती रही और मोहब्बत हो गई। दामाद अक्सर अपनी ससुराल आता था। कमरे में सास से घंटों बातें करता था। किसी ने दोनों पर शक भी नहीं किया। बेटी की शादी के लिए घर में रखे 5 लाख के जेवरात और 3.5 लाख कैश भी महिला घर से ले गई है। छह दिन बाद 16 अप्रैल को बेटी की शादी होनी थी। अब समाज में पूरे परिवार का मजाक बन रहा। मां की करतूत से बेटी को सदमे में है। वह बीमार हो गई है। जब बेटी से मां के बारे में पूछा गया तो वह गुस्से में बोली- दोनों कहीं भी जाकर मरें। अब हमारे परिवार को उनसे कोई लेनादेना नहीं। बस पुलिस हमारे गहने और रुपए वापस करा दे। मेरे पिता ने यह सब अपनी मेहनत के रुपए से जोड़कर बनवाया था। पति ने कहा- पुलिस एक बार बस पत्नी से मेरी मुलाकात करा दे। सास अनीता और दामाद राहुल, दोनों का मोबाइल नंबर स्विच ऑफ बता रहा है। सास अनीता और दामाद राहुल, दोनों का मोबाइल नंबर स्विच ऑफ बता रहा है।

मडराक थाना के गांव मनोहरपुर कायस्थ निवासी जितेंद्र कुमार की बेटी शिवानी की शादी 16 अप्रैल को दादों थाना के गांव रिया नगला निवासी होरीलाल के बेटे राहुल के साथ होनी थी। लेकिन, शादी के 10 दिन पहले 6 अप्रैल को शिवानी की मां अनीता घर से गायब हो गई।वहीं, दूसरी ओर राहुल भी अपने घर से कपड़े खरीदने की बात कहकर निकला, फिर वापस नहीं आया। अलीगढ़ से बाहर निकलते ही दोनों ने अपने मोबाइल बंद कर लिए। एक दिन लड़के ने अपने पिता को फोन करके कहा कि मुझे ढूंढना मत, मैं वापस नहीं आऊंगा।

मायावती की भतीजी को ससुरालवालों ने पीटा

दानिश, हापुड़ (एजेंसी)। बसपा प्रमुख मायावती की भतीजी एलिस ने अपने पति, सास समेत 9 लोगों पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है। कोर्ट के आदेश पर हापुड़ कोतवाली में पति, सास, ससुर, जेठ, जेठानी, ननद और मौसा पर स्न्ढ्ढक्रहुई है। पीड़ित की सास हापुड़ नगर पालिका की चेयरमैन हैं। उन्होंने बसपा से ही चुनाव लड़ा था। पीड़ित महिला ने बताया कि ससुराल वाले धमकी देते हैं कि तुम्हारी बुआ बसपा की कर्ता-धर्ता हैं, उनके पास बहुत पैसा है। फ्लैट और 50 लाख रुपए का इंतजाम करो। मना करने पर गाली-गलौज की। बुरी तरह पीटा। जान से मारने की धमकी दी। कहा कि अगर

किसी को बताया तो अंजाम बुरा होगा। किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं रहोगी। पूर्व सीएम की भतीजी ने यह भी कहा कि उसका पति नामर्द है। इस बात की जानकारी ससुराल के सभी लोगों को है। वैवाहिक जीवन बर्बाद हो गया है। 2023 में दिल्ली में हुई थी शादी, गाजियाबाद में फ्लैट मांगा बसपा प्रमुख मायावती के परिवार में कुल 9 भाई-बहन हैं। इनमें 6 भाई- सिद्धार्थ, नरेश, सुभाष, टीटू, राजकुमार, और आनंद कुमार और 3 बहनें- सरस्वती, मायावती, और एक अन्य शामिल हैं। पीड़ित एलिस नरेश कुमार की बेटी हैं। उनकी शादी 9 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली के एक होटल में हिंदू रीति-रिवाजों के साथ विशाल सिंह से हुई थी।

आरोप है कि शादी के कुछ दिन अच्छे रहे। लेकिन बाद में पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने उस पर दहेज का दबाव बनाना शुरू कर दिया। पति विशाल, ससुर श्रीपाल सिंह, सास पुष्पा देवी, जेठ भूपेंद्र उर्फ मोनू, जेठानी निशा, ननद शिवानी और मौसा ससुर अखिलेश दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे।

साई सुदर्शन की सुपर 30 में हुई एंट्री, तोड़ा क्रिस गेल का बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। जहां जीटी के साई सुदर्शन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एक और बेहतरीन पारी खेली है। सुदर्शन ने बुधवार को रॉयल्स के खिलाफ 53 गेंदों में 82 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और तीन छक्के भी जड़े। ये सुदर्शन के आईपीएल करियर की 30वीं पारी थी। उन्होंने सुपर 30 क्लब में धमाकेदार एंट्री करते हुए क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

दरअसल, सुदर्शन आईपीएल में 30 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। उनके खाते में फिलहाल 1307 रन हैं। उन्होंने गेल को तीसरे स्थान पर खिसका दिया, जिन्होंने 30 आईपीएल पारियों में 1141 रन बटोरे थे। सुदर्शन 30 आईपीएल पारियों में एक हजार प्लस रन बनाने वाले इकलौते भारतीय हैं। ओवरऑल लिस्ट में सुदर्शन से आगे सिर्फ शॉन मार्श हैं। मार्श ने 30 पारियों में 1338 रन जुटाए।

सैमसन पर धीमी ओवर गति के लिए 24 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण 24 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया है। गुजरात टाइटंस ने बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया यह मैच 58 रन से जीता था। राजस्थान रॉयल्स की टीम 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.2 ओवर में 159 रन पर आउट हो गई थी। आईपीएल ने गुरुवार को एक बयान में कहा,''राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है।'' बयान के अनुसार, '' यह आईपीएल की आचार संहिता के धीमी ओवर गति से जुड़े अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का दूसरा अपराध था, इसलिए सैमसन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ''

बयान में कहा गया है, ''इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया है।''

गुजरात टाइटंस की टीम अभी पांच मैचों में चार जीत और एक हार के साथ शीर्ष पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ सातवें स्थान पर है।

पाकिस्तान के खिलाड़ी हसन अली ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का कारवां दिन प्रतिदिन आगे बढ़ता जा रहा है। इसी बीच पाकिस्तान सुपर लीग 2025 का आगाज भी 11 अप्रैल से होने जा रहा है। आईपीएल और पीएसअल का कोई मुकाबला नहीं है फिर भी पाकिस्तान अपने लीग की तुलना दुनिया की सबसे महंगी क्रिकेट लीग से करता रहता है। वहीं अब पाकिस्तान के तेज गेंदबाज ने दावा किया है कि वो इस लीग में अगर ऐसा करते हैं तो लोग आईपीएल की जगह पीएसएल को ज्यादा देखना पंसद करेंगे। हसन अली का मानना है कि अगर वे पाकिस्तान सुपर लीग में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो लोग इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बजाय पाकिस्तान सुपर लीग देखना पसंद करेंगे। ऐसा पहली बार हुआ है कि पाकिस्तान सुपर लीग और इंडियन प्रीमियर लीग की डेट्स आपस में टकराई हैं। ऐसे में पीएसएल को दर्शकों की संख्या के लिए आईपीएल से कड़ी टक्कर लेनी होगी। ऐसे में पीएसएल को दर्शकों की संख्या के लिए आईपीएल से कड़ी टक्कर लेनी होगी। 2008 की शुरुआत के बाद आईपीएल अपने ब्रॉडकास्ट डील के कारण दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल खेल लीग है।

विराट कोहली के नाम जुड़ेगा बड़ा रिकॉर्ड, 100 बार अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बनेंगे!

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी के अनुभवी विराट कोहली गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विराट कोहली आईपीएल 2025 में बेहतरीन फॉर्म में हैं और दो अर्धशतकीय पारी भी खेल चुके हैं। आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 का 24वां मुकाबला खेला जाएगा। जारी सीजन में आरसीबी की टीम घरेलू मैदान पर पहली जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी और कोहली का बल्ला अगर चलता है तो वह टी20 क्रिकेट में 100 से ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अगर विराट कोहली 50 रन बनाने में कामयाब होते हैं तो वह टी20 क्रिकेट में 100 अर्धशतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। वह खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में 100 फिफ्टी लगाने वाले भारत के पहले बल्लेबाज होंगे। इस लिस्ट में डेविड वॉर्नर उनसे आगे हैं। वॉर्नर ने अपने टी20 करियर में 108 अर्धशतक जड़े हैं।

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल 2025 में दमदार फॉर्म में हैं। उन्होंने चार पारियों में 164 रन बनाए हैं और दो अर्धशतक लगाए हैं। आरसीबी का प्रदर्शन भी जारी सीजन में अच्छा रहा है। टीम ने चार मैच खेले हैं और तीन में जीत दर्ज की है। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली टीम पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर मौजूद है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अपने टी20 करियर में 90 अर्धशतक ठोके हैं। विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने 88 अर्धशतक लगाए हैं, जबकि जोस बटलर ने 86 फिफ्टी मारे हैं।

शिखर धवन बेटे की याद में हुए इमोशनल, बताया बात नहीं कर पाने पर करते हैं क्या...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी शिखर धवन अपने लुक्स और खेलने के अंदाज को लेकर चर्चा में रहे है। इसके अलावा वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहते है। शिखर धवन और उनकी पत्नी आयशा मुखर्जी एक दूसरे से लंबे समय से अलग हो चुके है।

मगर शिखर धवन पर इस अलगाव का गहरा सदमा लगा है। पत्नी आयशा मुखर्जी से अलग होने के बाद शिखर धवन खुश नहीं है और ये उनके हाल से साफ जाहिर होता है। दरअसल शिखर धवन और उनकी पत्नी के अलगाव के कारण शिखर धवन अपने बेटे से भी दूर हो गए है। शिखर अपने बेटे को अकसर याद करते हैं और उनके बारे में बातें भी करते रहते है।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शिखर धवन ने कहा कि उन्होंने बीते दो वर्षों से अपने बेटे को नहीं देखा है। एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है मगर उन्होंने अपने बेटे से बात भी नहीं की है। शिखर धवन ने कहा, मैं चाहता हूं कि वो खुश और स्वस्थ रहे। मैं उसे अब भी हर तीन या चार दिन में मैसेज करता हूं। उसने मुझे ब्लॉक कर रखा है फिर भी। मुझे

उम्मीद नहीं है कि वो उन मैसेज को पढ़ेगा। अगर वो मैसेज ना भी पढ़े तो भी कोई परेशानी नहीं है। उससे संपर्क करने की कोशिश करना मेरा काम है, मैं ये करता रहूंगा।

क्रिकेटर शिखर धवन ने ये भी बताया कि उनके बेटे की उम्र अब 11 वर्ष हो गई है। अपने बेटे से जुड़ाव महसूस करने के लिए वो आध्यात्मिकता का सहारा लेते है। शिखर धवन ने कहा कि मैंने दो साल पहले अपने बेटे को देखा था। एकस साल पहले उससे अंतिम बार बात की थी। ये समय काफी मुश्किल रहा है। मगर इस तरह भी जीना सीख जाते है। मैं उसे याद करता हूं और आध्यात्मिक तौर पर उससे बात भी करता हूं। मैं पुष्टि के जरिए महसूस करता हूं कि मैं हर दिन उससे बात कर रहा हूं और उसे गले लगा रहा हूं। मैं आध्यात्मिक रूप से इसमें ही अपनी ऊर्जा लगाता हूं। मुझे लगता है कि मैं इसी तरीके से अपने बेटे को वापस पा सकूंगा।

बता दें कि जब शिखर धवन और उनकी पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी का तलाक हुआ था, तो उनके बेटे जोरावर की कस्टडी को लेकर दोनों के बीच लंबे समय तक विवाद चला था। शिखर धवन ने काफी कोशिश की थी कि वो अपने बेटे को अपने पास रख सकें। धवन समय समय पर अपने बेटे से बात करने की कोशिश करते हैं मगर उन्हें सफलता नहीं मिलती है। धवन की बातों से लगता है कि वो अच्छा पिता बनना चाहते हैं मगर किस्मत उन्हें ये मौका देकर भी छीन रही है।

विनेश फोगाट ने सरकारी नौकरी को छोड़ 4 करोड़ रुपये के कैश प्राइज को चुना, हरियाणा सरकार ने दिया था ऑप्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में सुर्खियों में रहीं भारतीय पहलवान विनेश फोगाट पर बड़ा खुलासा हुआ है। ओलंपिक्स से डिसक्वालीफिकेशन विवाद के बाद विनेश ने कुश्ती से संन्यास का निर्णय लेकर सभी को चौंका दिया। उसके बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से दावेदारी पेश कर जुलाना से सीट पर चुनाव लड़कर जीत हासिल की। हाल ही में हरियाणा सरकार ने उनके सामने तीन ऑप्शन रखे थे, अब अपडेट आया है कि विनेश ने एक विकल्प का चयन कर लिया है। दरअसल, विनेश फोगाट ने 4 करोड़ रुपये कैश अवॉर्ड के विकल्प का चयन किया है। इस सबंध में हरियाणा सरकार में खेल विभाग को पत्र भेज दिया गया है, जिसके बाद आगे की कार्यवाई की जाएगी। दैनिक भास्कर में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, जुलाना सीट से विधायक विनेश फोगाट ने पिछले महीने बजट सत्र में इस मुद्दे को उठाया था। विनेश का कहना था कि, सरकार ने उन्हें ओलंपिक्स में सिल्वर मेडल के बराबर सम्मान की घोषणा तो कर दी, लेकिन 8 महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें सम्मानित नहीं किया गया है। वहीं विनेश की मांग पर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने जवाब में कहा था कि विनेश अब कांग्रेस की विधायक हैं, फिर भी उन्हें सरकार नौकरी, एक प्लॉट या फिर 4 करोड़ रुपये के कैश प्राइज का विकल्प दिया जाएगा। दैनिक भास्कर के मुताबिक, इसके जवाब में विनेश ने 4 करोड़ रुपये का कैश प्राइज पर सहमति जताई है।

केकेआर की हार के बाद शाहरुख खान ने किया टीम को मोटिवेट, रिंकू सिंह से कर डाली खास डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने आईपीएल 2025 में केकेआर की दिल तोड़ने वाली हार पर रिएक्शन दिया है। दरअसल, शाहरुख ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करीबी हार के बाद केकेआर ने एक तगड़े मोटिवेशन मैसेज से जान फूंक दी है। केकेआर के मालिक शाहरुख ने अपने खिलाड़ियों को हौसला बढ़ाते हुए कहा कि कभी-कभी हमारा बेस्ट पर्याप्त नहीं होता है। उन्होंने रिंकू सिंह से एक खास फरमाइश की है। बता दें कि, सीईओ वेंकी मैसूर ने शाहरुख के मैसेज को केकेआर के खिलाड़ियों के सामने पढ़ा। केकेआर ने इसका वीडियो शेयर किया है।

शाहरुख ने खिलाड़ियों से कहा कि, ये एक दुखद हार है क्योंकि हम जीत के करीब थे। मैच से बहुत सी अच्छी चीजें सीखने को मिलीं। एक चीज ये कि हम फाइट कर सकते हैं और बड़ा स्कोर बना सकते हैं। सभी बल्लेबाजों ने काबिले तारीफ प्रदर्शन किया। उन्होंने अपना बेस्ट दिया। हालांकि, कभी-कभी हमारा बेस्ट पर्याप्त नहीं होता। मुझे लगता है कि ये कुछ वैा ही दिन था। हार को पीछे छोड़ें हम केवल एक गेंद और एक हिट दूर थे। हमें आखिर तक हार नहीं माननी चाहिए। इस अनुभव से सीखकर आगे बढ़ें। यही हमारे

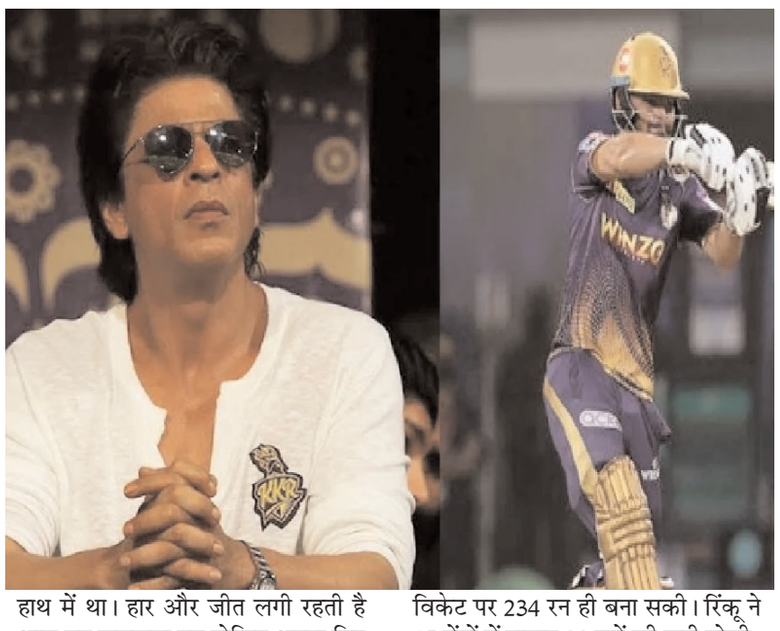

हाथ में था। हार और जीत लगी रहती है आज हम लड़खड़ा गए लेकिन अपना सिर ऊंचा रखने की जरूरत है। अगले मैच के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने आखिर में कहा कि, रिंकू मेरी अनुपस्थिति में सभी को खुश रखना। लव यू ऑल। फिलहाल, मैच की बात करें तो एक समय केकेआर का पलड़ा भारी नजर आ रहा था लेकिन अंत में बाजी पलट गई। केकेआर सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी। रिंकू ने 15 गेंदों में नाबाद 38 रनों की पारी खेली। केकेआर को आखिरी ओवर में जीत के लिए 24 रन बनाने थे लेकिन 19 रन ही आए। रिंकू ने 20वें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया जबकि हर्षित राणा ने चौका मारा। केकेआर का अगला मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से भिड़ना है जो शुक्रवार 11 अप्रैल को चेपॉक में होगा।

ओलंपिक में हो सकती है क्रिकेट की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक खेलों में क्रिकेट में वापसी होने जा रही है। इसे 2023 में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक संघ द्वारा अनुमोदित किया गया था। ये खेल 1900 में पेरिस में ओलंपिक का हिस्सा था। तब से इसे शामिल नहीं किया गया है। उस दौरान, केवल दो टीमों, फ्रांस और ग्रेट ब्रिटेन ने इस खेल में हिस्सा लिया था। ये केवल पुरुषों की टीमों के बीच मुकाबला था और ग्रेट ब्रिटेन ने गोल्ड मेडल जीता था। पेरिस में 2024 ओलंपिक के बाद, लॉस एंजिल्स में अगले खेलों में क्रिकेट को हिस्सा बनाने को लेकर चर्चा हुई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने क्रिकेट को अगले ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनाने के लिए आवश्यक प्रयास किए। आईओए ने अब ये पुष्टि की है कि एलए 2028 ओलंपिक के दौरान क्रिकेट में 6-6 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। इसका मतलब है कि पुरुष

और महिला दोनों टूर्नामेंट में 6-6 टीमों के बीच मुकाबला होगा। ये मुकाबले टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेले जाएंगे। खास तौर पर एलए 2028 ओलंपिक में केवल 6 पुरुष और महिला टीमें ही हिस्सा लेंगी, इसलिए टॉप क्रिकेट खेलने वाले देशों के बीच क्वालिफिकेशन की उम्मीद है। नियमित आईसीसी टूर्नामेंटों के विपरीत, टॉप तीन टीमों के लिए गोल्ड, सिल्वर और कांस्य पदक होंगे, इसलिए हिस्सा लेने वाली 6 में से 3 टीमों को ही पदक मिलेंगे।

हालांकि, क्वालिफिकेशन प्रक्रिया अभी तय नहीं हुई है, लेकिन पुरुष वर्ग में भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका जैसे टी20 क्रिकेट दिग्गजों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसी तरह, महिला टीमों को भी क्वालिफाई करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। इंग्लैंड महिला, ऑस्ट्रेलिया महिला, भारत महिला, वेस्टइंडीज महिला, न्यूजीलैंड महिला, पाकिस्तान महिला और श्रीलंका महिला जैसी टीमें ओलंपिक 2028 में जगह बनाने के लिए उत्सुक होंगी।

कांग्रेस बोली-अस्पताल अधीक्षक जिम्मेदार, इस्तीफा दें

एसजीएमएच में महिलाओं को लगाए थे ब्लैक लिस्टेड इंजेक्शन, जांच रिपोर्ट में हुआ खुलासा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में 28 फरवरी और 1 मार्च को पांच प्रसूता महिलाओं को लगाए गए इंजेक्शन से उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। जिसकी वजह से महिलाओं को करीब एक सप्ताह तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था।

बुधवार को सामने आई जांच रिपोर्ट में अस्पताल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। हेल्थ कार्पोरेशन के एमडी मयंक अग्रवाल की तरफ से बताया गया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर स्टोर कीपर को दोषी मानते हुए उसे निलंबित कर दिया गया है। अब इस मामले में कांग्रेस ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष कविता पांडेय ने कहा कि 30 अमानक इंजेक्शन अभी भी गायब हैं और केवल स्टोर कीपर को बलि का बकरा बनाया गया है।

हेल्थ कार्पोरेशन के एमडी मयंक अग्रवाल के अनुसार दिसंबर में इन इंजेक्शन को ब्लैकलिस्ट किया गया था। 25 फरवरी को अस्पताल के स्टोर से इस बैच के 100 बॉयल इंजेक्शन निकाले गए थे। गलती से 5 इंजेक्शन महिलाओं की डिलीवरी में इस्तेमाल कर दिए गए।

महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष कविता पांडेय ने अस्पताल अधीक्षक राहुल मिश्रा और एमडी हेल्थ कार्पोरेशन से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की हालत इतनी बिगड़ी थी कि उन्हें आईसीयू में भर्ती करना पड़ा था। कई दिनों तक महिलाओं के दिमाग पर भी इसका गंभीर असर रहा। हम ब्लैकलिस्टेड दवाइयों के टेंडर जारी करने वालों पर भी कार्रवाई की मांग करते हैं। वहीं पूरे मामले में अस्पताल प्रबंधन भी सफाई देने में जुट गया है। अस्पताल के अधीक्षक राहुल मिश्रा का कहना है कि अब महिलाओं की हालत पूरी तरह से स्थिर है। महिलाओं की हालत ठीक होने के बाद ही उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था। मामला संज्ञान में आने के बाद स्टोर कीपर पर कार्रवाई की जा चुकी है।

मैहर से लौट रहे श्रद्धालुओं की ऑटो पलटी, बच्चे की मौत

13 लोग घायल, 5 सतना रेफर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में मां शारदा के दर्शन के बाद लौट रहे श्रद्धालुओं की ऑटो एनएच-30 पर पाल मोड़ के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 2 वर्षीय बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में कुल 13 लोग घायल हुए हैं।

मृतक बच्चे की पहचान अभी बंसल के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही हाईवे एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को सिविल अस्पताल अमरपाटन ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

मैहर से दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु: पुलिस के अनुसार, सभी श्रद्धालु बैकुंठपुर के देवास निवासी हैं, जो मां शारदा के दर्शन के लिए मैहर आए थे और दर्शन के बाद लौटते समय यह हादसा हुआ।

सूखे तालाब से निकला मगरमच्छ खेत में पहुंचा, किया गया रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में बाबूपुर गांव के लोगों में दहशत तब फैल गई जब एक वयस्क मगरमच्छ सूखे तालाब से निकलकर गांव में आ गया। यह मगरमच्छ पूर्व सरपंच राकेश पटेल के खेत में बुधवार को दिखाई दिया।

प्रभारी रेंजर सतीशचंद्र मिश्रा के अनुसार, मगरमच्छ काफी समय से तालाब में बिल बनाकर रह रहा था। गर्मी के कारण तालाब का पानी सूख जाने से वह बाहर आकर खेत में आ गया। ग्रामीणों ने मगरमच्छ को देखते ही एसडीओ यशपाल मेहरा को सूचित किया। रेस्क्यू टीम के पहुंचने से पहले ही मगरमच्छ वापस अपने बिल में चला गया।

गुरुवार को मगरमच्छ के रेस्क्यू के लिए वन मंडल की 8 सदस्यीय टीम और मुकुंदपुर जू से 6 एक्सपर्ट मौके पर पहुंचे। जेसीबी की मदद से बिल की ऊपरी मिट्टी हटाई गई। रेस्क्यू टीम ने रस्सियों से मगरमच्छ को पकड़कर उसके जबड़े को सुरक्षित तरीके से बांधा। ढाई घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मगरमच्छ को रामनगर के बाणसागर डैम में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

रीवा नगर निगम में अवैध वसूली की शिकायत पर आयुक्त बोले-

स्ट्रीट वेंडर्स सालाना देने होंगे 800 रुपए उनके लिए बाजार बैठकी का प्रावधान नहीं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर में आए दिन बाजार बैठकी को लेकर उत्पन्न हो रहे विवादों पर अब नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। नगर निगम कमिश्नर सौरभ सोनवड़े ने स्पष्ट किया है कि शहर में सड़क किनारे दुकानें लगाने वाले सभी स्ट्रीट वेंडर्स के पास वैध रजिस्ट्रेशन कार्ड होना अनिवार्य है, और किसी भी प्रकार की बाजार बैठकी पर्ची में नगर निगम की अधिकृत सील लगी होनी चाहिए।

कमिश्नर ने कहा कि कई बार फर्जी पर्चियों और अवैध रूप से जगह घेरने को लेकर झगड़े और अव्यवस्था की स्थिति बनती है, जिससे ना सिर्फ ट्रैफिक प्रभावित होता है, बल्कि आम जनता को भी परेशानी झेलनी पड़ती है।

जुर्माने से लेकर जब्ती तक की कार्रवाई होगी: नगर निगम अब ऐसे अवैध वेंडर्स और पर्ची वितरण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। कमिश्नर ने चेतावनी दी है कि जो वेंडर बिना रजिस्ट्रेशन या बिना निगम सील वाली पर्ची के दुकान लगाएंगे, उनके खिलाफ जुर्माने से लेकर जब्ती तक की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही निगम द्वारा एक विशेष अभियान चलाकर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाएगा। ताकि असली जरूरतमंदों को ही बैठकी की अनुमति मिल सके।

निगम की अपील- वैध कार्ड और पर्ची वालों को ही दें शुल्क: इस नई व्यवस्था का उद्देश्य शहर में बाजार व्यवस्था को सुव्यवस्थित करना है, जिससे सड़कों पर अव्यवस्थित तरीके से लगने वाली दुकानों को रोका जा सके और नागरिकों को सुगम आवाजाही का माहौल मिल सके। नगर निगम की यह पहल शहर में ट्रैफिक सुधार और साफ-सफाई के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

साथ ही, निगम प्रशासन ने वेंडर्स से भी अपील की है कि शुल्क उन्हीं को दें ,जिनके पास वैध आईडेंटी कार्ड और अधिकृत बैठकी पर्ची हो,पर्ची में नगर निगम की सील और राशि लिखी हो। ताकि फर्जीवाड़े और अराजकता को जड़ से समाप्त किया जा सके।

एटीएम में चोरी के प्रयास और तोड़फोड़ की घटना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के विंध्य विहार कॉलोनी स्थित एटीएम में चोरी के प्रयास और तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। एटीएम में तोड़फोड़ की सूचना पर सिविल लाइन थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू दी। थाना प्रभारी कमलेश साहू भी घटना स्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायज़ा लिया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी ग्राहक का रूपया एटीएम में फंस गया था, जिसे निकालने के प्रयास में मशीन के कवर को तोड़ा गया है। हालांकि चोरी की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। थाना प्रभारी के मुताबिक एटीएम के मैनेजर से संपर्क किया गया है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी। उसके बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा कि घटना की सच्चाई क्या है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

क़िला परिसर में फाग महोत्सव का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। क़िला परिसर में हर्षोल्लास के साथ फाग महोत्सव मनाया गया। फाग महोत्सव में 38 टीमें शामिल हुई। इस आयोजन में विंध्य क्षेत्र के अलावा अन्य राज्य स्तरीय टीमों ने भाग लिया। इस दौरान किला परिसर में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। ये आयोजन विगत दस वर्षों से महाराजा पुष्पराज सिंह द्वारा किया जा रहा हैं। आयोजन समिति के सदस्य ने बताया कि बघेलखंड की संस्कृति को सहेजने और संवारने के लिए ये आयोजन किया गया है। इस फाग महोत्सव में न सिर्फ रीवा के बल्कि बघेलखंड के क्षेत्र में आने वाले उमरिया, शहडोल, सतना, सीधी आदि ज़िलों से भी लोक कलाकार अपनी फाग मंडली लेकर पहुंचे। विजेता फाग मंडली को रीवा क़िला की ओर से पुरस्कृत किया गया।

अधिकारी टीएल पत्रों का तत्काल प्रतिवेदन दें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा हैं कि टीएल पत्रों का तत्काल प्रतिवेदन दें। शासन द्वारा प्राप्त महत्वपूर्ण निर्देश तथा उच्च प्राथमिकता की योजनाओं से जुड़े पत्रों को तय समय सीमा में कार्यवाही के लिए निर्दिष्ट किया जाता हैं। विभागीय गतिविधियों से जुड़े तथा कई संवेदनशील विषयों के पत्र भी समय सीमा में कार्यवाही के लिए दर्ज किए जाते हैं। सभी अधिकारी टीएल पत्रों का तत्काल प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करें। टीएल पत्रों पर निर्देशों के अनुसार तय समय सीमा में समस्त कार्यवाहियाँ सुनिश्चित करें। समय पर प्रतिवेदन प्रस्तुत न करने के कारण कई विभागों के पत्र कार्यवाही के लिए टीएल सूची में लंबित हैं। इनका तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें।

शादी का निमंत्रण बांटने निकले बाइक सवार हादसे का हुए शिकार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चोरहटा थाना क्षेत्र में तेज़ रफ्तार कार की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कार सवार मौके से फरार हो गया। वहीं स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि सेमरिया थाना क्षेत्र के राहट गांव में रहने वाले कौशलेंद्र कुमार पांडे के घर में वैवाहिक कार्यक्रम होने वाला है। जिसका निमंत्रण बांटने के लिए वह अपने भतीजे कृष्णा पांडे के साथ निकले थे। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे कका राह गांव के समीप तेज़ रफ्तार कार ने बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

13 तहसीलदारों तथा नायब तहसीलदारों पर कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अवि वादित नामांतरण के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण नहीं करने पर 13 तहसीलदारों तथा नायब तहसीलदारों पर जुर्माने की कार्यवाही की है। इसके साथ ही दो तहसीलदारों को चेतावनी भी जारी की गयी है। कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला, साधना सिंह नायब तहसीलदार ,तहसील मनगवां, वेदवती सिंह नायब तहसीलदार जवा, राजेश तिवारी नायब तहसीलदार सेमरिया तथा राजेश शुक्ला नायब तहसीलदार त्योंथर पर दो-दो हज़ार रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है। इसी तरह प्रकाश उपाध्याय नायब तहसीलदार त्योंथर, द्वारिका प्रसाद दहायत ,नायब तहसीलदार त्योंथर, सुमित गुप्ता तहसीलदार मनगवां, राजकुमार टाण्डिया नायब तहसीलदार जवा, विनय मूर्ति शुक्ला तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान, रमाकांत तिवारी नायब तहसीलदार सिरमौर, मनोज शुक्ला नायब तहसीलदार हुजूर एवं राजीव शुक्ला नायब तहसीलदार मनगवां पर एक-एक हज़ार रूपये का जुर्माना लगाया है। कलेक्टर ने नीलेश सिंह धुर्वे तहसीलदार त्योंथर तथा अर्जुन वेलवंशी तहसीलदार सेमरिया को चेतावनी जारी की है।

लौर थाना पुलिस का कारनामा, घटनाकारित वाहन की बजाय पीछे-पीछे आ रहे वाहन को पकड़ा

बेगुनाहों पर थी एफआईआर की तैयारी, मीडिया के सहयोग से बचे पीड़ित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के गडरा कांड के बाद भी पुलिस के रवैये में कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है । बुधवार को लौर थाने की पुलिस का एक ऐसा मामला सामने आया है जहां पुलिस द्वारा अपराधियों पर मेहरवान होकर निर्दोषों को शिकार बनाने का प्रयास किया जा रहा था। यह मामला रात करीब 9 बजे से चालू हो कर देर रात 12 बजे तक चला। जब पीड़ितों को लगा कि मेरे ऊपर फर्जी एफआईआर दर्ज हो जायेगी तब पीड़ित वाहन स्वामी ने मीडिया का सहारा लिया। जिसके बाद पूरा घटनाक्रम मीडिया के जरिये पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के पास पंहुचा, जिसपर तत्काल थाना प्रभारी को फटकार लगाते हुए निर्दोष को छोड़ने को कहा। जिसके बाद पीड़ित फर्जी एफआईआर का शिकार होने से बच गया।

जानिये पूरा मामला: मिली जानकारी अनुसार तेज गती से जा रही स्कार्पियो वाहन की चपेट में एक स्थानीय व्यक्ति आ गया। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। दरअसल, जिस वाहन ने टक्कर मारी थी वह बारात में जा रही थी। लेकिन हादसे के बाद दुर्घटनाकारित वाहन मौके से फरार हो गया। जब लौर पुलिस ने वाहन की तलाश करनी चालू की तो घटना के बाद उसी बारात में शामिल होने जा रही एक तेवरा कार को रोक कर थाने ले गए। और उसके विरुद्ध अपराध कायम करने की धमकी देने लगे। वाहन सवार काफी भयभीत थे लेकिन अपने बेगुनाह होने की बात कहते रहे। लेकिन पुलिस एक सुनने को तैयार नहीं थी। मनो एफआईआर जान बूझ कर करना चाहती थी। जब की पुलिस पूरे घटनाक्रम को अच्छी तरह से जानती थी।

वरिष्ठ अधिकारी की फटकार

जब थाने के घटनाक्रम की जानकारी मऊगंज के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को हुई, तो तत्काल घटनाक्रम में शामिल व्यक्तियों को फटकार लगाते हुये निर्दोष लोगों को छोड़ने का निर्देश दिया। लेकिन उन पुलिस वालों पर कार्यवाही न किया जाना वरिष्ठ अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रही है।

पैसे की भी हुई मांग

पीड़ित ने बताया कि पुलिसकर्मी थाने लेजाकर झूठे मुकदमे में फ़ंसाने की धमकी देकर पैसे देने का दबाव बना रहे थे। लेकिन मिडिया का सहयोग मिलाने की वजह से पैसे बच गए। अगर हम लोग मिडिया का सहयोग नहीं लेते तो शायद पैसे भीं जाते साथ ही झूठी एफआईआर भी दर्ज हो जाती। पीड़ितों ने कहा कि लौर पुलिस के ऐसे बरताव से ही लोगों का पुलिस पर से भरोसा उठ रहा है।

फोन पर पुलिसकर्मी से बातचीत...

हेलो! सूरज जी बोल रहे हैं... नहीं अजय हूँ... टवेरा गाड़ी को क्यों थाने में जप्त किये हैं। जवाब दिया कि ...हमने मना किया था कि ये वाहन नहीं था लेकिन मुंसी जी नहीं माने और वाहन थाने ले आये अब आगे मुंसी जी जाने। साथ ही कहा कि वाहन छोड़ने को भी कहा हूँ फिर थाना प्रभारी से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन से संपर्क नहीं हो सका।

खाद्य सुरक्षा योजना के सभी हितग्राहियों का 7 दिन में ई-केवाईसी कराएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने जिला आपूर्ति अधिकारी तथा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को खाद्य सुरक्षा योजना के सभी हितग्राहियों का ई केवाईसी कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि मऊगंज जिले में खाद्य सुरक्षा योजना से लाभांवित एक लाख 49 हजार 131 हितग्राहियों का ई केवाईसी अभी शेष हैं। इसके लिए प्रत्येक ग्राम तथा नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में शिविर लगाएं। इन शिविरों में ई केवाईसी के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी, पटवारी, उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन, ग्राम रोजगार सहायक तथा ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहकर शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी करें। जो व्यक्ति शिविर में उपस्थित न हों उन्हें घर-घर जाकर ई केवाईसी कराएं। हितग्राहियों के ई केवाईसी का कार्य सात दिवस में पूरा करें। अभियान के दौरान राशनकार्ड में दर्ज मृत सदस्यों, स्थाई रूप से प्रवास करने वाले तथा डुप्लीकेट नामों को भी हटाने की भी कार्यवाही करें। कलेक्टर ने कहा है कि खाद्यान्न वितरण के लिए उचित मूल्य दुकान सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक संचालित करें।

इसके बाद सेल्समैन घर-घर जाकर ई केवाईसी कराएं। सभी सेल्समैनों को शेष बचे हितग्राहियों की सूची उपलब्ध करा दी गई है। एसडीएम ई केवाईसी के लिए लगाए जा रहे शिविरों की सतत मानीटरिंग करें तथा प्रतिदिन प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी सहायक आपूर्ति अधिकारी अपने क्षेत्र की उचित मूल्य दुकानों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविर आयोजित कराकर ई केवाईसी कराएं। हितग्राहियों की ई केवाईसी का कार्य एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से पूरा करें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।